सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का कमाल, टी20आई गेंदबाजों की रैंकिंग में -पेज: 7

सात साल बाद फिर से साथ नजर आने वाले हैं कार्तिक और.... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 255 | बुधवार 24 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ: 8 | मूल्य: 2 रुपए

चौधरी चरण सिंह की जयंती किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाई जाएगी, सीएम योगी

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर, जिसे किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाता है, ट्रैक्टरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और किसानों को वितरित किया। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा किसान कल्याण और कृषि विकास पर दिए जा रहे विशेष ध्यान को दशार्या गया, और मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की समग्र प्रगति का श्रेय किसानों को दिया। सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसानों और उनके परिवारों की उपस्थिति कृषि क्षेत्र में बढ़ते आत्मविश्वास और समृद्धि को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि आज हमने उन किसानों को ट्रैक्टर वितरित किए हैं जो अपने परिवारों के साथ इस कार्यक्रम में आए थे। आज आप सभी हमारे अन्नदाता किसानों की कड़ी मेहनत के कारण राज्य की प्रगति के साक्षी हैं।

पीएम मोदी ने किसानों को सलाह दी: पैदावार की चिंता हो तो छोटे हिस्से में प्राकृतिक खेती शुरू करें

नई दिल्ली एजेंसी: किसान दिवस पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया गया, इसमें पीएम मोदी ने किसान को प्राकृतिक खेती करने की सलाह दी। साथ ही दलहन की खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। 2.41 मिनट के इस वीडियो में दालों की खेती करने वाले किसान कृष्ण कुमार पीएम मोदी से अपनी हालिया बातचीत का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार की योजनाओं की जमकर तारीफ कर रहे हैं। किसान दिवस किसानों को सिर्फ अन्नदाता नहीं, बल्कि राष्ट्र-निमार्ता के रूप में मनाता है मोदी स्टोरी के एक्स पोस्ट में बताया गया है कि किसान दिवस किसानों को सिर्फ अन्नदाता नहीं, बल्कि राष्ट्र-निमार्ता के रूप में मनाता है। धन-धान्य

योजना और दालों में आत्मनिर्भरता मिशन की शुरूआत पर दाल किसानों को पीएम मोदी से बातचीत के लिए बुलाया गया था। इनमें से एक किसान कृष्ण कुमार थे। शेयर किए गए वीडियो में किसान की सादगी और पीएम की किसानों के प्रति संवेदनशीलता साफ झलक रही है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को दाल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना चाहिए और केमिकल का इस्तेमाल कम या खत्म करना चाहिए पीएम ने

पीएम मोदी ने कहा कि भारत को दाल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना

पीएम ने पूछा, आपने दालों की खेती शुरू की, यह कैसे किया? कृष्ण कुमार ने बताया कि प्राकृतिक खेती ने उनके खेतों को बदल दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को दाल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना चाहिए और केमिकल का इस्तेमाल कम या खत्म करना चाहिए। किसानों की पैदावार की चिंता समझते हुए पीएम ने सलाह दी, छोटे हिस्से से प्राकृतिक खेती शुरू करें, नतीजे

पूछा, आपने दालों की खेती शुरू की, यह कैसे किया? कृष्ण कुमार ने बताया कि प्राकृतिक खेती ने उनके खेतों को बदल दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को दाल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना चाहिए और केमिकल का इस्तेमाल कम या खत्म करना चाहिए। किसानों की पैदावार की चिंता समझते हुए पीएम ने सलाह दी, छोटे हिस्से से प्राकृतिक खेती शुरू करें, नतीजे देखें और धीरे-धीरे पूरे खेत पर लागू करें। वीडियो में पीएम मोदी की योजनाएं किसानों को सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास देती हैं, जिससे सशक्त किसान मजबूत देश की नींव बनता है वीडियो में पीएम फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि और अब धन-धान्य योजना का जिक्र है। पोस्ट में कहा गया कि पीएम मोदी का तरीका किसानों को सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास देता है। किसान दिवस पर कृष्ण कुमार जैसी कहानियां याद दिलाती हैं कि सशक्त किसान ही मजबूत देश की नींव हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, लोग पीएम मोदी की किसान-केंद्रित नीतियों और प्राकृतिक खेती की सराहना कर रहे हैं, जबकि किसान दिवस पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की याद दिलाता है यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग पीएम की किसान-केंद्रित नीतियों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की सराहना कर रहे हैं। किसान दिवस पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर मनाया जाता है, जो किसानों के बड़े हितैषी थे।

1.5 करोड़ मतदाताओं के नाम हटवाना चाहती है बीजेपी, ममता ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों में होने वाले हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अपना हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में विपक्षी पार्टी 1.5 करोड़ मतदाताओं के नाम रद्द करवाना चाहती है। ममता बनर्जी ने ये टिप्पणियां सोमवार को नेताजी इंडोर स्टेडियम में तृणमूल कांग्रेस बूथ स्तरीय कार्यकताओं (बीएलए) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कीं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव के लिए बाहर से लोगों को यहां लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा 1.5 करोड़ मतदाताओं के नाम रद्द करवाना चाहती है। वे लोकतंत्र को नष्ट करना चाहते हैं... मैंने कल बर्दवान में

बिहार पंजीकरण वाली 50 मोटरसाइकिलें आते देखीं। वे चुनाव के लिए बाहर से लोगों को यहां लाने की कोशिश कर रहे हैं... सभी बीएलए को विधायकों, पार्षदों और ब्लॉक अध्यक्षों से एसआईआर (चुनाव प्रचार) के संबंध में परामर्श करना चाहिए। चुनाव आयोग द्वारा किया गया मानचित्रण सरासर गलत है। क्या आपने 2002 के बाद परिसीमन पर विचार किया? चुनाव आयोग 46 मौतों के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने आगे कहा 2002 की चुनाव आयोग सूची और वर्तमान सूची के ईपीआईसी नंबर में कोई मेल नहीं है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के बाद चुनाव आयोग ने 16 दिसंबर को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की, जिसमें 58,20,899 मतदाताओं (7.59 प्रतिशत) को मृत्यु, लापता होने या स्थायी रूप से पलायन करने के कारण सूची से हटा दिया गया। चुनाव आयोग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कुल 7,66,37,529 मतदाताओं में से 7,08,16,630 मतदाताओं ने 11 दिसंबर तक अपने गणना प्रपत्र जमा कर दिए थे। चुनाव आयोग ने कहा कि 16 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान वास्तविक मतदाताओं को मतदाता सूची में फिर से जोड़ा जा सकता है। इससे पहले ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि चुनाव से कुछ महीने पहले शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल राज्य सरकार को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है। घोषणा करते हुए मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये और अस्पताल में भर्ती लोगों के लिए \

जेपी नड्डा की अध्यक्षता में भाजपा सांसदों की आज होगी पहली बैठक, नितिन नबीन भी रहेंगे मौजूद, जानें असली कारण

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों की पहली बैठक मंगलवार को होगी, जिसकी अध्यक्षता भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन करेंगे। यह बैठक मंगलवार को रात 9 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार, बैठक में संसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन की रणनीति को अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पार्टी सूत्रों ने बताया, "बैठक का मुख्य उद्देश्य संसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने की रणनीति को अंतिम रूप देना है। आयोजन से संबंधित समन्वय और तैयारियों पर विस्तृत चर्चा होगी।" बैठक के दौरान भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का पार्टी के

सांसदों से औपचारिक परिचय कराया जाएगा। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ बैठक में शामिल होंगे। सभी भाजपा सांसदों के बैठक में भाग लेने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री 25 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संसद खेल महोत्सव के समापन समारोह में शामिल होंगे। आज की बैठक में समापन समारोह से पहले की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा और चर्चा भी की जाएगी। नबीन आज बिहार में विभिन्न पार्टी कार्यक्रमों में भाग लेने और कार्यकताओं तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों से बातचीत करने के लिए आ रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने के बाद यह उनकी पहली बिहार यात्रा है। 45 वर्ष की आयु में नबीन पार्टी में अब तक चुने गए सबसे युवा कार्यकारी अध्यक्ष हैं। वे बिहार मंत्रिमंडल में सड़क निर्माण मंत्री भी हैं। भाजपा ने 14 दिसंबर को नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया, जो पार्टी के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, उनका चयन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन से जुड़ा हुआ है। भाजपा नेतृत्व का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि 2047 तक, जब भारत एक विकसित राष्ट्र बन जाए, पार्टी के पास एक परिपक्व और अनुभवी नेतृत्व हो। इसी उद्देश्य से पार्टी ने युवा नेताओं को प्रशिक्षित करना शुरू कर दिया है।

दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन, तोड़े गए बैरिकेड्स

नई दिल्ली एजेंसी: पिछले सप्ताह बांग्लादेश के मयमनसिंह में इस्लामी भीड़ द्वारा एक हिंदू व्यक्ति की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या किए जाने के विरोध में मंगलवार को नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर एक बड़ा प्रदर्शन हो रहा है। इस प्रदर्शन का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) कर रही है। दिल्ली पुलिस ने एहतियात के तौर पर उच्चायोग के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। कुछ प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बैरिकेड तोड़ते हुए देखा गया, जिन्हें बाद में पुलिस ने काबू कर लिया। घटनास्थल पर जमा भीड़ ने सुरक्षा के लिए लगाए गए पुलिस बैरिकेड्स को हटाने का भी प्रयास किया। प्रदर्शनकारी ढाका में हुई घटना की निंदा करते हुए नारे लगा रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में भाग ले रहे हैं। हालांकि, विरोध प्रदर्शन की आशंका में सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही सतर्क थीं।

दिल्ली पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। पिछले सप्ताह मयमनसिंह के बलुका इलाके में एक भीड़ द्वारा पीट-पीटकर मार डाले गए 25 वर्षीय कपड़ा कारखाने के मजदूर दीपू चंद्र दास की हत्या के विरोध में पूरे भारत में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। उन पर ईशनिंदा का आरोप था। हमले के बाद उनके शव को जला दिया गया। पुलिस ने रविवार को इस मामले में दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया। डेली स्टार के अनुसार, पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन के सूत्रों का हवाला देते हुए, हत्या में कथित संलिप्तता के आरोप में अब तक कुल 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने मोतालेब शिकदर को सिर में गोली मार दी, जिससे वह हाल के दिनों में बांग्लादेश के 2024 के हिंसक छात्र नेतृत्व वाले विद्रोह से जुड़े दूसरे नेता बन गए हैं जिन्हें निशाना बनाया गया है। यह हमला दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में हुआ, प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ ही दिनों बाद। एनसीपी (राष्ट्रीय नागरिक पार्टी) की संयुक्त प्रधान समन्वयक महमूदा मितु ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, "एनसीपी के खुलना डिवीजन के प्रमुख और पार्टी के कार्यकर्ता मोर्चे के केंद्रीय समन्वयक मोतालेब शिकदर को कुछ मिनट पहले गोली मार दी गई।"

पीएम मोदी ने स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा से की मुलाकात

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा और उनकी वाइफ हिमानी मोर से 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए लिखा, मंगलवार सुबह 7 लोक कल्याण मार्ग पर नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात की। हमारी खेल समेत कई मुद्दों पर बातचीत हुई। जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने 2020 में ओलंपिक गोल्ड मेडल जीता जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने 2020 में ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रचा था। इसके बाद 2023 में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड और 2024 में पेरिस ओलंपिक्स में सिल्वर मेडल जीतकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। नीरज चोपड़ा मई 2016 में भारतीय सेना की 4 राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट में हुए थे शामिल उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के सम्मान में नीरज चोपड़ा को इस वर्ष प्रादेशिक सेना में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि प्रदान की गई थी। नीरज चोपड़ा मई 2016 में भारतीय सेना की 4 राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट में बतौर नायब सूबेदार शामिल हुए थे। इससे पहले नीरज चोपड़ा को विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है इससे पहले नीरज चोपड़ा को पद्म श्री, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड, अर्जुन अवॉर्ड, परम विशिष्ट सेवा मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। 2025 सीजन में, चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग और बेंगलुरु में नीरज चोपड़ा क्लासिक सहित चार प्रतियोगिताएं अपने नाम कीं। उन्होंने मई में इतिहास रचा। वह किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 90 मीटर की दूरी पार करने वाले पहले भारतीय बने।

जर्मनी में सरकार पर राहुल गांधी के बिगड़े बोल, बीजेपी ने कहा- भारत विरोधी ताकतों को एकजुट करने के लिए जाते हैं विदेश

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारत का संस्थागत ढांचा पूरी तरह से खतरे में है और इसका इस्तेमाल सत्ताधारी भाजपा के पक्ष में हथियार के तौर पर किया जा रहा है। बर्लिन के हर्टी स्कूल में गांधी के भाषण पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता पर विदेशों में भारत का अपमान करने का आरोप लगाया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने मंगलवार को जर्मनी में हुई एक बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयानों पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता विदेशी धरती पर अराजकता, अशांति और भारत की विफलता का माहौल बना रहे हैं। राहुल गांधी की टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भंडारी ने ऐसे बयानों के पीछे के इरादे पर सवाल उठाया और कांग्रेस पर भारत-

विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता के बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए भंडारी ने लिखा, क्या भारत से प्यार करने वाला व्यक्ति भारत की विफलता चाह सकता है? जर्मनी में राहुल गांधी कहते हैं कि उन्हें लगता है: लोग आपस में लड़ेंगे, भारत विफल होगा और अशांति फैलेगी। भारतीय राज्य से लड़ने से लेकर अराजकता की धमकी तक। भाजपा प्रवक्ता ने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रगति के विरोधी तत्वों को एकजुट करने के लिए विदेश यात्रा करते हैं। भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी की कांग्रेस अपने वैचारिक संरक्षक जॉर्ज सोरोस के साथ मिलकर भारतीय लोकतंत्र में अराजकता और अशांति फैलाना चाहती है।

राहुल ऐसी भारत विरोधी ताकतों को एकजुट करने के लिए विदेश जाते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर भारत की वैश्विक छवि और लोकतांत्रिक ढांचे को लगातार कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी "भारतीय लोकतंत्र से नफरत करती है" और "भारत की प्रगति से नफरत करती है।

बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ अत्याचार को महबूबा मुफ्ती ने हिजाब से जोड़ते हुए दिया

नई दिल्ली एजेंसी: बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ हो रहे भयावह उत्पीड़न पर चिंता जताने के नाम पर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जिस तरह भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने और कानून-व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की, वह न सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि आपत्तिजनक भी है। सबसे पहले सच्चाई स्पष्ट कर लेनी चाहिए। भारत में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कोई खोखला नारा नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है। यहां कानून का शासन है, अदालतें स्वतंत्र हैं और राज्य तंत्र जवाबदेह है। किसी भी धर्म, जाति या समुदाय के खिलाफ अपराध होता है तो उसके लिए कानूनी प्रक्रिया मौजूद है, एफआईआर से लेकर न्यायालय तक। छिटपुट घटनाओं को लेकर पूरे देश को नैतिक दुविधा में बताना, दरअसल भारत की संस्थाओं और लोकतंत्र पर सीधा हमला है। इसके उलट, बांग्लादेश की जमीनी तस्वीर पर आंख मूंद लेना या उसे भारत के संदर्भ से जोड़कर हल्का करना सरासर बेईमानी है। वहां अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय लंबे समय से भय, हिंसा और सामाजिक बहिष्कार का सामना कर रहा है। मंदिरों पर हमले, घरों की तोड़फोड़ और महिलाओं के खिलाफ लक्षित

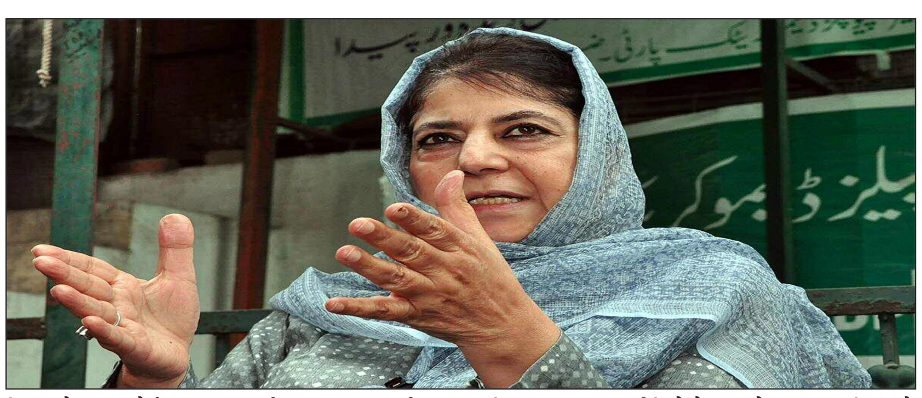

हिंसा, ये सब कोई अफवाह नहीं, बल्कि बार-बार सामने आई कठोर सच्चाइयां हैं। वहां कट्टरपंथी तत्वों का दबदबा बढ़ा है और अंतरिम सरकार की इच्छाशक्ति बार-बार सवालों के घेरे में आई है। इस पृष्ठभूमि में भारत से वहां की तुलना करना न सिर्फ अनुचित है, बल्कि पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। महबूबा मुफ्ती का यह कहना कि भारत का नेतृत्व नैतिक दुविधा में है, दरअसल एक

महबूबा मुफ्ती ने कहा, बांग्लादेश से आ रही खबरें बहुत परेशान करने वाली हैं, जिनमें कहा गया है कि हिंदू महिलाएं सिंदूर लगाकर बाहर निकलने से डर रही हैं। उन्होंने कहा कि अपने देश का नेतृत्व नैतिक दुविधा में है क्योंकि यहां अराजक तत्व मुस्लिम महिलाओं का हिजाब जबरदस्ती उतार रहे हैं।

राजनीतिक एजेंडे की बू देता है। हम आपको बता दें कि बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के सिंदूर लगाने तक से डरने की खबरें आ रहीं हैं, ऐसे में अपेक्षा थी कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर रह चुकीं महबूबा मुफ्ती कड़े शब्दों में इस बर्बरता की निंदा करेंगी और पीड़ितों के साथ खड़ी होंगी। लेकिन उन्होंने चर्चा को भटकाते हुए भारत के भीतर हिजाब से जुड़ी बहस से जोड़ दिया। यह तुलना न सिर्फ असंगत है, बल्कि एक तरह से बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को तर्कों की आड़ में जायज ठहराने जैसा प्रतीत होती है। महबूबा को याद रखना चाहिए कि भारत में हिजाब या किसी भी धार्मिक प्रतीक को लेकर बहसें न्यायालयों और संवैधानिक दायरे में होती हैं। यहां कानून तोड़ने वालों पर कार्रवाई होती है, चाहे वे किसी भी धर्म से हों। इसके विपरीत, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक महिलाओं को उनकी पहचान के कारण डर में जीने पर मजबूर किया जा रहा है। दोनों स्थितियों को एक ही तराजू पर तौलना गलत है। जहां तक महबूबा के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के उत्पीड़न को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि ये खबरें बेहद परेशान करने वाली हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बांग्लादेश से आ रही खबरें बहुत परेशान करने वाली हैं

संपादकीय

जानलेवा आबोहवा

देश-दुनिया में दिल्ली में प्रदूषण को लेकर भारी चिंता है, लेकिन यह सिर्फ दिल्ली का ही संकट नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरियाणा, उ.प्र. व राजस्थान के कई शहर भी प्रदूषणग्रस्त हैं। इसके अलावा लखनऊ, वाराणसी, जयपुर, पटना, मुजफ्फरपुर, कानपुर व देश के अन्य शहरों में भी प्रदूषण संकट आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा है। हालांकि, इन शहरों में संकट दिल्ली जैसा नहीं है, लेकिन पूरे देश के लिए दीर्घकालीन योजना बनाने की जरूरत तो है। दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में तीसरे स्थान पर आने वाली दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक का 450 के आसपास बना रहना, निश्चय ही खतरे की घंटी है। दिल्ली सरकार द्वारा उत्सर्जन मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के शहर में प्रवेश पर रोक, दफ्तरों में वर्क फ्रॉम-होम, स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई, तोड़फोड़ व निर्माण पर रोक के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। इसी बीच, चीन के दूतावास ने दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण में मदद की पेशकश की है। चीनी दूतावास की एक प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट में स्क्रीनशॉट साझा किया है, जिसमें दिल्ली में एक्यूआई 447 व बीजिंग में 67 दिखाई दे रहा है। निस्संदेह, भारत व चीन दोनों ही तीव्र शहरीकरण की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन चीन ने योजनाबद्ध ढंग से उस परिदृश्य को दूर किया है, जिसमें चीन के तमाम शहर सर्दियों में स्मॉग से ढके रहते थे। हालांकि, साम्यवादी चीन व लोकतांत्रिक भारत में नीतियों के क्रियान्वयन में मूलभूत अंतर है। फिर भी चीन की सफलता से सीखा जा सकता है। चीन ने पिछले दो दशकों में आक्रामक ढंग से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाया। वाहन उत्सर्जन पर नियंत्रण किया। लाइसेंस प्लेट लॉटरी व ऑड-ईवन से सड़कों पर वाहनों को कम किया। उसने बड़े मेट्रो-बस नेटवर्क को बढ़ाकर सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाया। करीब तीन हजार के करीब भारी उद्योगों को बीजिंग व आसपास के शहरों से हटाया गया। एक बड़ी स्टील कंपनी को हटाने से घातक कणों में बीस फीसदी की कमी आई। सबसे अधिक जोर कोयले पर आधारित बिजली संयंत्रों व उद्योगों पर रोक लगाने में लगा। इसके अलावा, निर्माण स्थलों पर धूल-रोधी जाली लगाने, पानी के छिड़काव-सफाई, किसानों को पराली भत्ता देने व प्रदूषण के पीक समय में निर्माण पर रोक जैसे कदम उठाए। वहां पौधारोपण को बढ़ावा दिया गया। निस्संदेह, बीजिंग व दिल्ली की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन बीजिंग मॉडल पर विचार होना चाहिए। दरअसल, दिल्ली की भौगोलिक परिस्थिति बीजिंग से भिन्न है, दिल्ली लैंडलॉक्ड क्षेत्र है, आसपास समुद्री इलाका भी नहीं है। लेकिन कोयला आधारित संयंत्रों को बंद करने, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने तथा औद्योगिक संस्थानों को राजधानी की सीमा से बाहर किया जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

धर्म की शरण

हर संसारी प्राणी अपनी सुरक्षा के लिए शरण की खोज करता है। प्राणी उपयुक्त शरण मिलने पर उसे स्वीकार भी कर लेता है। बहिर्दर्शी व्यक्ति अपने पारिवारिक जनों को शरण मानता है। परिवार के लोग किसी सक्षम सदस्य को शरण मानते हैं। किंतु वे तुम्हें त्राण और शरण देने में समर्थ नहीं हैं और तुम उनको त्राण या शरण देने में समर्थ नहीं हो। यह आगम-वाणी मनुष्य को अपनी सही स्थिति का बोध देती है। वह जब चारों ओर से अत्राण और अशरण होकर असहाय हो जाता है, उस समय उसकी अंतमरुखी चेतना में चार प्रकार की शरण आविर्भूत होती है- अर्हत्, सिद्ध, साधु और धर्म। ये चार तत्व ऐसे हैं, जो व्यक्ति को शात शरण दे सकते हैं। इन चारों शरणों में तीन तत्व किसी अपेक्षा से परे भी हो सकते हैं किंतु चौथा तत्व धर्म अपना निजी ही है। इसकी शरण में जाने के लिए कोई अपेक्षा नहीं केवल अपनी वृत्तियों को मोड़ने की जरूरत है।

धर्म क्या है? जो सबको समता और शांति का पाठ पढ़ाए, वह धर्म है। जिस धर्म के सहारे सुख-सुविधा के साधन जुटाए जाते हैं, प्रतिष्ठा की कृत्रिम भूख को शांत किया जाता है, प्रदर्शन और आडंबर को प्रोत्साहन दिया जाता है, उस धर्म की शरण स्वीकार करने से शांति नहीं मिल सकती। ऐसा धर्म समता का सूत्र नहीं दे सकता।

धर्म की व्याख्या में अब तक हजारों ग्रंथ लिखे जा चुके हैं, पर उनसे धर्म का सही रूप परिभाषित नहीं हो सका। क्योंकि अधिक व्याख्याकारों ने अपनी धारणा के परिवेश में उसे व्याख्यायित किया है। मेरे अभिमत से धर्म का अर्थ है स्वभाव। स्वभाव को उपलब्ध करने के लिए उसमें रमण करने की जरूरत है। जो व्यक्ति अपने स्वभाव में रमण कर लेता है, वह धर्म की शरण पा लेता है। उसे अपनी शरण उपलब्ध हो जाती है।

धर्म या स्वभाव- रमण का एक सूत्र है- पदार्थ प्रतिबद्धता का अभाव। कोई व्यक्ति अभाव या अतिभाव के कारण पदार्थ से प्रतिबद्ध नहीं होता है, यह वास्तव में धर्म नहीं है। अभाव में जो व्यक्ति संग्रह नहीं करता, वह त्यागी नहीं होता। इसी प्रकार अतिभाव में पदार्थ का विसर्जन करने वाला भी त्यागी नहीं हो सकता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

उपभोक्ता जागरूकता से समृद्ध समाज की ओर - जागरूक होंगे, तभी मिलेगा इंसाफ

योगेश कुमार गोयल

उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए देश में प्रतिवर्ष 24 दिसम्बर को ह्यराष्ट्रीय उपभोक्ता दिवसह्न मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें।

उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम ने उपभोक्ताओं को छह प्रमुख अधिकार प्रदान किए हैं, जिनमें सुरक्षा का अधिकार के तहत खतरनाक वस्तुओं और सेवाओं से बचाव का अधिकार, सूचना का अधिकार के तहत वस्तुओं और सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, शुद्धता और कीमत की सही जानकारी का अधिकार, विकल्प का अधिकार के तहत प्रतिस्पर्धात्मक कीमतों पर वस्तुओं और सेवाओं का चयन का अधिकार, सुने जाने का अधिकार के तहत उपभोक्ता की शिकायतों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाना का अधिकार, निवारण का अधिकार के तहत उपभोक्ता की शिकायतों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाना का अधिकार, उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार के तहत अनुचित व्यापार प्रथाओं और शोषण के खिलाफ न्याय का अधिकार शामिल हैं। जहां तक उपभोक्ता की जिम्मेदारियां की बात है तो उपभोक्ताओं को चाहिए कि वे खरीदारी से पहले उत्पाद की गुणवत्ता और वैधता की जांच करें, नकली और घटिया उत्पादों से बचने के लिए प्रमाणित ब्रांड्स को ही प्राथमिकता दें, अपनी शिकायतों को दर्ज कराने में सक्रिय रहें, जागरूकता फैलाने में योगदान दें।

अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। दरअसल विभिन्न छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

भारतीय राजनीति में चयनात्मक संवेदनशीलता

डॉ राघवेंद्र शर्मा

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की स्थिति और उस पर भारतीय विमर्श में व्याप्त चुनिंदा संवेदनशीलता एक गंभीर और विचारणीय विषय है। बांग्लादेश में दीपचंद की हालिया हत्या और भारतीय गलियारों मेंउसके बाद की राजनीतिक चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। यह भारतीय राजनीति का वह विद्रूप चेहरा है जो इन विसंगतियों और भेदभावपूर्ण दृष्टिकोणों का विश्लेषण करने की असीमित सामग्री मुहैया कराता है। हाल के दिनों में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरें विचलित करने वाली रही हैं। दीपचंद की नृशंस हत्या इसी सिलसिले की एक और काली कड़ी है। लेकिन इस घटना से भी अधिक चौंकाने वाली बात है भारतीय राजनीतिक गलियारों में पसरा सन्नाटा। यह चुप्पी उस समय और भी गहरी लगने लगती है जब हम इसकी तुलना वैश्विक स्तर पर होने वाली अन्य घटनाओं से करते हैं। मैं व्यक्तिगत तौर पर अनुभव किया है कि मामला हमारे देश के भीतर का हो या फिर सीमा पार का, यदि वहां जुल्म का शिकार कोई हिंदू है तो तुष्टिकरण की शिकार भारतीय राजनीति में इसका चर्चा तक नहीं होता। लेकिन यदि किसी अल्पसंख्यक पर, खासकर मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति के साथ सात समुंदर पार भी कोई घटना घटित हो जाए तो भारत में हाय तौबा मच जाती है। हमें याद करना होगा, जब इजरायल और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष होता है, तो भारत की सड़कों से लेकर संसद तक विरोध की लहर देखी जाती है। मानवाधिकारों के नाम पर रैलियां निकाली जाती हैं और विदेशी धरती पर हो रहे अन्याय के खिलाफ भारतीय नेता मुखर होकर बयान देते हैं। निस्संदेह, निदोर्षों की जान कहीं भी जाए, वह दुखद है। लेकिन प्रश्न तब उठता है जब पड़ोस के देश बांग्लादेश में, जहाँ की संस्कृति और इतिहास भारत से गहराई से जुड़े हुए हैं, वहां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर अधिकांश नेता मौन साध लेते हैं। क्या ढाका में मरने वाले दीपचंद का जीवन गाजा में मरने वाले किसी व्यक्ति से कम मूल्यवान है? बेशक नहीं, किंतु तुष्टीकरण की राजनीति और चयनात्मक संवेदनशीलता इस भेदभाव को उजागर तो करती ही है। स्पष्ट तौर पर लिखा जाए तो यह सत्य है कि भारतीय राजनीति में सेकुलरिज्म अर्थात पंथ निरपेक्षता की परिभाषा वोट बैंक के समीकरणों में उलझ कर रह गई है। जब किसी घटना में पीड़ित पक्ष बहुसंख्यक समुदाय (हिंदू) से होता है, तो कई राजनीतिक दल इसे दूसरे देश का आंतरिक मामला कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं। इसके विपरीत, यदि पीड़ित पक्ष किसी विशिष्ट अल्पसंख्यक समुदाय से हो, तो उसे तुरंत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकारों के चश्मे से देखा जाने लगता है। भारतीय राजनीति में नुकसान और फायदे की सोच के चलते ऐसी प्रमुख विसंगतियाँ व्यापक पैमाने पर स्थापित हो गई हैं। इसे क्रियान्वयनों एवंप्रदर्शनों का दोहरा मापदंड भी कहा जा सकता है। उदाहरण के लिए स्वीडन में कुरान जलाने की घटना पर गौर किया जाना उचित रहेगा। हजारों किलोमीटर दूर उस राष्ट्र में मुस्लिम समाज का पवित्र ग्रंथ कुरान जलाया जाता है, लेकिन भारत के कई शहरों में हिंसक प्रदर्शन होते हैं। वहीं जब पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़ा जाता है, हिंदुओं की हत्या की जाती है, उनके घर जला दिए जाते हैं हिंदू महिलाओं बालिकाओं के बलात्कार होते हैं, तब अधिकांश भारतीय राजनेताओं और राजनीतिक दलों की तीखी एवं त्वरित प्रतिक्रिया नदारद बनी रहती है। ऐसे में आक्रामक बयानों का तो एक प्रकार से अकाल ही पड़ जाता है। फिलिस्तीन के समर्थन में ट्वीट करने वाले मानवाधिकार कार्यकर्ता और राजनेता बांग्लादेशी हिंदुओं के पलायन एवं हत्याओं पर चुप्पी साध लेते हैं। तो क्या यह मान लेना अनुचित है कि भारत में मानवीय संवेदनाओं का राजनीतिकरण हो गया है। किसी भी समाज के लिए यह खतरनाक संकेत है कि उसकी संवेदनाएं पीड़ित की पहचान देखकर जागती हों। यदि अन्याय हुआ है, तो वह अन्याय है–चाहे वह मुसलमान के साथ हो या हिंदू के साथ। जब राजनेता और बुद्धिजीवी केवल एक वर्ग के प्रति सहानुभूति दिखाते हैं और दूसरे वर्ग की पीड़ा को नजरअंदाज करते हैं, तो वे समाज में अविश्वास की खाई को और चौड़ा करते हैं। किंतु बुद्धिजीवी लोगों को इस रहस्यमई चुप्पी के निहितार्थ स्पष्ट समझ में आते हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जुल्मों पर भारतीय राजनेताओं की

यह सुविधाजनक चुप्पी न केवल वहां के अल्पसंख्यकों का मनोबल तोड़ती है, बल्कि कट्टरपंथी ताकतों को भी बढ़ावा देती है। उन्हें लगता है कि उनके कृत्यों का कोई अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विरोध नहीं होगा। लिखने का आशय यह है कि भारत हो अथवा कोई दूसरा देश, मानवाधिकार सार्वभौमिक होने चाहिए, चयनात्मक नहीं। यदि हम गाजा के लिए आवाज उठाते हैं, तो हमें ढाका के दीपचंद के लिए भी उतनी ही मजबूती से बोलना होगा। भारत के राजनेताओं को यह समझना होगा कि तुष्टीकरण की राजनीति अंततः न्याय के सिद्धांतों की हत्या करती है। जब तक मानवता को धर्म के चश्मे से देखा जाता रहेगा, तब तक दुनिया से अन्याय समाप्त नहीं होगा।

'जी राम जी: ग्रामीण भारत में विश्वास और उम्मीद'

भारत की राजनीति में विश्वास केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जन-धारणाओं और नीतिगत परिणामों का प्रतिफल है। 'विकसित भारत-जी राम जी' बिल और उससे जुड़ी योजनाएँ इस विश्वास की कसौटी पर खड़ी हैं। जब केंद्र सरकार ने यह बिल संसद में प्रस्तुत किया, तो उसके पीछे सतत विकास, सामाजिक न्याय और ग्रामीण कल्याण के विचार थे। यह बिल केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि 125 करोड़ लोगों तक पहुँचने वाली योजनाओं का प्रतीक है।

वर्तमान सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट है-विकास को केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा जाए। इसके लिए योजना का कायमी प्रभाव और पारदर्शी क्रियान्वयन आवश्यक है। इसके तहत ग्रामीण रोजगार, खाद्यान्न वितरण, महिला सशक्तिकरण और न्यूनतम आय सुरक्षा जैसी नीतियाँ लागू की गई हैं। इन नीतियों के परिणामस्वरूप ग्रामीण और वंचित वर्ग में भरोसा और उम्मीद दोनों बढ़ी हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था हमेशा असुरक्षित रही है। कृषि पर आधारित जीवन शैली, सीमित औद्योगिक विकास और मौसमी रोजगार की अस्थिरता ने ग्रामीणों को अस्थायी रोजगार और पलायन की ओर मजबूर किया। इस संदर्भ में, केंद्र सरकार की ग्रामीण रोजगार योजना एक जागरूक प्रयास है।

यह योजना न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय निर्माण और उत्पादन गतिविधियों को भी बढ़ावा देती है। महिलाओं की भागीदारी, युवा शक्ति का नियोजन और स्थानीय संसाधनों का उपयोग, योजना को स्थायी और प्रभावी बनाता है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि ग्रामीण आर्थिक सुरक्षा महसूस करें और पलायन कम हो।

महिलाओं का भाग्य सुधारना केवल सामाजिक न्याय का सवाल नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और सामुदायिक स्थिरता का भी संकेत है। 'जी राम जी' योजना के तहत महिलाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर दिए गए हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव देखा जा सकता है-महिलाओं ने अपने परिवार की आय में योगदान बढ़ाया, स्थानीय उत्पादकता में हिस्सेदारी ली, और अपने समाज में निर्णय लेने की क्षमता विकसित की।

महिला सशक्तिकरण का यह आयाम योजना की दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जब महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है, तो परिवार के स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के मानक भी सुधरते हैं। इस तरह, योजना केवल आर्थिक सुधार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की नींव भी तैयार करती है।

भारत में खाद्य सुरक्षा हमेशा सामाजिक राजनीति का केंद्र रही है। गरीब और वंचित वर्ग को आवश्यक खाद्यान्न और न्यूनतम आय सुरक्षा प्रदान करना केवल दान या राहत नहीं, बल्कि न्याय और संवैधानिक जिम्मेदारी है। जी राम जी बिल ने इस दिशा में कदम बढ़ाए।

125 करोड़ लाभार्थियों तक पहुँचने वाली योजना का प्रत्यक्ष परिणाम यह है कि भोजन और आय का भरोसा पैदा हुआ है। गरीब वर्ग अब केवल दिन-प्रतिदिन के संघर्ष में नहीं फँसा है, बल्कि भविष्य की योजनाओं में भागीदारी और उम्मीद महसूस करता है। यह भरोसा सरकार और जनता के बीच संबंध की मजबूती का परिचायक है।

सभी नीतियों में आलोचना होना स्वाभाविक है। विपक्ष ने सवाल उठाया है कि-क्या यह योजना दीर्घकालिक आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए पर्याप्त है? क्या यह केवल अस्थायी राहत है? क्या इसके क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित है?

इन सवालों का महत्व है। विकास केवल तुरंत परिणामों से मापा नहीं जा सकता। इसे स्थायित्व, निगरानी और समयबद्ध सुधार के साथ देखा जाना चाहिए। आलोचना यह भी याद दिलाती है कि राजनीतिक विश्वास स्थायी तभी बनता है जब योजना के परिणाम लगातार दिखाई दें और जनता के अनुभव से मेल खाते हों।

राजनीतिक विश्वास केवल चुनावी रैलियों या भाषणों से नहीं बनता। यह तब मजबूत होता है जब जनता नतीजे देखे, अनुभव करे और महसूस करे। 'जी राम जी' योजना इस दृष्टि से अनूठी है-यह दिखाती है कि यदि सरकार व्यवस्था, नीति और क्रियान्वयन को संतुलित रखे, तो जनता का भरोसा बढ़ सकता है।

साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि सरकार सतत निगरानी और सुधार करती रहे। योजना की प्रभावशीलता तभी बनी रहती है जब स्थानीय प्रशासन, पंचायत और लाभार्थियों के बीच संवाद और जवाबदेही हो। यह लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी ताकत है।

भरोसे और नीतियों की कसौटी पर 'जी राम जी' बिल ने एक नई मिसाल कायम की है। भविष्य में इसके और भी सफल होने के लिए कुछ कदम आवश्यक हैं।

स्थायित्व और विस्तारः योजना को केवल वर्तमान लाभार्थियों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि नई तकनीक और कौशल विकास के साथ इसे बढ़ाया जाए।

पारदर्शिताः सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों तक जानकारी, निगरानी और रिपोर्टिंग पारदर्शी हो।

स्थानीय उद्योग और उत्पादनः रोजगार केवल सरकारी कार्यों तक सीमित न हो, बल्कि स्थानीय उद्योग और स्वरोजगार को प्रोत्साहित किया जाए।

महिला और युवा सशक्तिकरणः महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए ताकि समुदाय आधारित विकास सुनिश्चित हो।

अर्थव्यवस्था और विकास का संतुलनः योजनाओं से केवल रोजगार या राहत न हो, बल्कि स्थायी आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले।

'जी राम जी' बिल और उससे जुड़ी योजनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि भरोसा और परिणाम राजनीति में दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। केवल घोषणाओं या भाषणों से जनता का विश्वास नहीं बनता। इसे क्रियान्वयन, पारदर्शिता और परिणाम के साथ जोड़ना आवश्यक है।

इस पहल ने दिखाया कि यदि सरकार योजनाओं को समयबद्ध, प्रभावी और सतत तरीके से लागू करे, तो विश्वास केवल टिकता ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र और समाज की मजबूती का प्रतीक बन जाता है।

संक्षेप में, भरोसा केवल राजनीति का जरिया नहीं, बल्कि विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक स्थायी स्तंभ बन सकता है। 'जी राम जी' बिल इस कसौटी पर खड़ा होता दिख रहा है, और यदि इसे सुधार और सतत निगरानी के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह भारत के ग्रामीण विकास और लोकतांत्रिक विश्वास का आदर्श मॉडल बन सकता है।

किसानों के सच्चे हितैषी थे चौधरी चरण सिंह:- रामवीर सिंह

अंबेडकर युवक संघ ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को दी श्रद्धांजलि

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- नगर के मैथिली गार्डन में अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ शाखा हसनपुर के बैनर तले भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री, किसानों के मसीहा भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई और उनके जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला गया। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जन्म 23

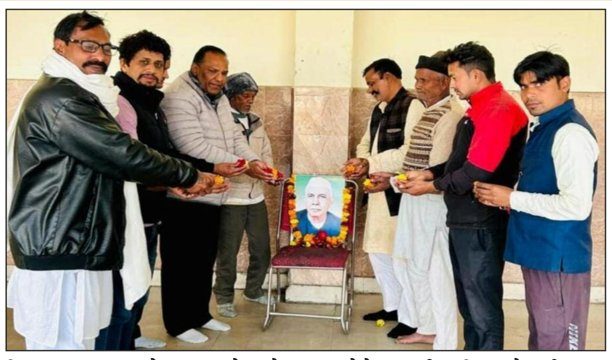

दिसंबर 1902 को उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर ग्राम में हुआ था। उन्होंने अपना पूरा जीवन किसानों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया।चौधरी चरण सिंह को किसानों का मसीहा कहा जाता है। उन्होंने भारतीय किसानों की दशा सुधारने के लिए अनेक नीतियां बनाई और वह भूमि सुधार के समर्थक रहे। उन्होंने जमींदारी उन्मूलन जैसे कानून में अहम भूमिका निभाई।वह ईमानदारी, स्पष्टवादिता और ग्रामीण भारत के सच्चे प्रतिनिधि माने जाते हैं। चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलियानों से होकर गुजरता है। मजदूरों व किसानों की मजबूत आवाज,जनप्रिय,नेतृत्वकर्ता एवं स्वतंत्रता सेनानी चौधरी चरण सिंह का सम्पूर्ण जीवन किसानों के लिए समर्पित रहा। उनके जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया गया। गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम ने कहा कि किसानों, गरीबों और वंचितों के अधिकारों की रक्षा तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। हम उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।अन्न उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने वाले वह पहले किसान नेता थे। उन्होंने किसानों के लिए अनेकों आन्दोलन किये। इस अवसर पर गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम, अम्बेडकर उद्यान समिति के अध्यक्ष विजय कुमार गौतम,पूर्व सभासद अरविंद कुमार अन्ना, विनोद कुमार गौतम,अजब सिंह एडवोकेट,रोहताश उर्फ डब्लू,अजयपाल कटारिया,लवी सागर,दीपक कुमार, नमित कुमार, पवनराज जाटव,सत्यम, सोमवीर सिंह,जंगबहादुर,मुखराम सिह आदि मौजूदर हे।

ईवीएम एवं वीवीपैट गोदाम का किया गया त्रैमासिक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा निर्वाचन की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के लिए आन्तरित एवं सील्ड ईवीएम/वीवीपैट गोदाम का राजनैतिक दलों के साथ त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सील्ड ईवीएम/वीवीपैट गोदाम सुव्यवस्थित पाये गये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, जिला महामंत्री भाजपा चंद्रभान सिंह, प्रतिनिधि समाजवादी पार्टी

ऋषिपाल सिंह यादव, प्रतिनिधि कांग्रेस फैज आलम राईनी, सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बछरायूं में किसान सम्मान दिवस पर किसानों को किया गया सम्मानित

बछरायूं/अमरोहा(सब का सपना):-धनौरा तहसील के बछरायूं चुंगी स्थित नौरेकस में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान वहां उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर माल्या अर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की एवं किसानों को शाल उढ़ा कर सम्मानित किया। बता दें कि मंगलवार को आयोजित इस कार्यक्रम को किसानों ने किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर

विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां प्रगतिशील किसानों ,महिला किसानों कृषि निर्यातकों, संरक्षित खेती को बढ़ावा देने वाले किसानों को शाल उढ़ाकर सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए उनके चित्र पर माल्या अर्पण किया।

सम्मानित होने वाले किसानों में ऋषिपाल सिंह ,पतराम सिंह, नरेश यादव, शीशपाल, विपिन कुमार, कृपाल सिंह, यादराम सिंह ,हंसपाल सिंह, चरण सिंह ,विमला देवी, महिपाल सिंह, गीता तारा, शशि देवी सहित कई अन्य लोग शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने व्यापार बंधु के साथ की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापार जगत के विभिन्न पदाधिकारी द्वारा जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा गया। व्यापार बंधु की समस्याएं सुनकर जिलाधिकारी ने निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, विद्युत एवं ड्रग इंस्पेक्टर के अनुपस्थित होने पर कड़ी नाराजगी के साथ स्पष्टीकरण और एक दिन के वेतन रोकने के आदेश संबंधित को दिए। व्यापार बंधुओं के पदाधिकारी द्वारा नगर पालिका एवं नगर पंचायत नौगावां सादात, जोया और अमरोहा में रोड पर ठेले लगे की समस्या को उठाया जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश दिए कि पुलिस और अधिशासी अधिकारी मिलकर अभियान चलाएं और रोड पर ठेले खड़े न होने दें या तो ठेले चलते फिरते रहे इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करें। व्यापार बंधुओं के पदाधिकारी ने जिलाधिकारी के समक्ष फूड विभाग के साथ बैठक आयोजित करने की मांग रखी ताकि फूड विभाग और व्यापारियों में संवाद रहे और सामंजस्य बना रहे इसके लिए जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश दिए कि आगामी बैठक में यह मुद्दा नहीं उठना चाहिए इसलिए सभी तहसीलों के व्यापार मंडल के पदाधिकारी के साथ बैठक अवश्य करें। बैठक में विद्युत, साफ सफाई, बिना नक्शा पास के निर्माण कार्य, नालों पर अवैध निर्माण आदि की समस्याएं व्यापारियों ने प्रमुखता के साथ रखी। बैठक में कोतवाली से लेकर कोट के चौराहे तक ई रिक्शा द्वारा लगने वाले जाम से निजात के लिए जिलाधिकारी के समक्ष अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी महोदय ने संबंधित को निर्देश दिए की ट्रैफिक पुलिस से बात कर उचित कार्रवाई करें। और उन्होंने निर्देश दिए की सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायत अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाएं और अभियान की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने डोर टू डोर कलेक्शन को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए डोर टू डोर कलेक्शन घरों के साथ-साथ दुकानों से भी हो इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए। व्यापार बंधु के पदाधिकारी ने मीट के होटल या दुकानों पर मीट से संबंधित लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट को बंद करने की मांग रखी। इसी प्रकार पदाधिकारी ने धनोरा और चांदपुर मार्ग पर ट्रैफिक की भारी समस्या से अवगत कराया।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने व्यापार बंधु की समस्याओं को सुनकर संबंधित को समय के साथ निस्तारण करने के निर्देश। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी व कर्मचारी एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला में बजरंग दल कार्यकताओं ने निकाली जिहाद की अर्थी, फूंका पुतला

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने जिहाद की आरती निकाल कर पुतला फुका साथ ही बांग्लादेश पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए आक्रोश व्यक्ति किया। बता दें कि मंगलवार को गजरौला नगर कोतवाली में प्रांत गोरक्षा प्रमुख बजरंग दल हेमंत सारस्वत के नेतृत्व में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने अर्थी निकालकर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिहाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की,इस दौरान उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर नरसंहार उनकी हत्या करने का मामला चल रहा है। वह एक जिहादियों की सोची

समझी साजिश है।जहां दीपचंद नामक एक हिंदू को बांग्लादेश पुलिस ने जेहादियों की भीड़ में उनके हाथों सौंप दिया।जहां दीपचंद की जिहादियों ने निर्मम हत्या कर दी। जिसके चलते बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने गजरौला में बांग्लादेशी जेहादियों की अर्थी निकलते हुए विरोध प्रदर्शन कर जिहादियों का पुतला दहन कर दिया। वहीं प्रांत गौ रक्षा प्रमुख बजरंग दल हेमंत सारस्वत का कहना है कि बजरंग दल द्वारा पूरे देश भर में जिहादियों का पुतला फूंका जा रहा है। उन्होंने चेतावनी भरे स्वर में कहा कि या तो सुधर जाओ और हिंदुओं का नरसंहार व हमले बंद कर दो। अन्यथा जिस भाषा में समझोगे, उस भाषा में समझाया जाएगा। एक तरफ जहां बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे नरसंहार अत्याचारों के विरोध में हिंदू संगठनों ने जगह-जगह मोर्चा खोला हुआ है।

वहीं बांग्लादेशी जिहादियों द्वारा नरसंहार का कृत्य लगातार किया जा रहा है। इसी लिए उनकी भाषा में जवाब देने की चेतावनी दी है। वहीं उन्होंने बांग्लादेश जिहाद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वंदे मातरम का जय घोष किया। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में बजरंग दल कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाकियू (अरा.) के किसानों ने धनौरा SDM को किया सम्मानित

तिगरी मेला एवं रक्फ़भीम के कार्य को बेहतर एवं सुरक्षात्मक रूप से कराने के लिए मिला सम्मान

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक असली) के किसानों एवं कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर धनौरा एसडीएम विभा श्रीवास्तव को उनके द्वारा तिगरी गंगा मेला 2025 एवं एस आई आर के कार्य को बेहतर एवं सुरक्षात्मक रूप से करने के लिए सम्मानित किया।

बता दें कि मंगलवार को धनौरा तहसील के ब्लॉक परिसर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस अवसर पर यूनियन के कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्या अर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ता डूंगर सिंह ने चौधरी चरण सिंह के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन किसानों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया चौधरी चरण सिंह किसानों के सच्चे हितैषी थे।कार्यक्रम के दौरान उन्होंने धनौरा

एसडीएम विभा श्रीवास्तव को उनके द्वारा कराए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए शाल उढ़ाकर सम्मानित किया गया। संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ता डूंगर सिंह ने बताया कि एसडीएम धनौरा के नेतृत्व में तिगरी गंगा मेला सकुशल संपन्न कराया गया और चुनाव आयोग द्वारा आयोजित एस आई आर प्रक्रिया में धनोरा तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त किया।इसके अलावा एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने भी चौधरी चरण सिंह को नमन करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और वहां उपस्थित किसानों का उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर कार्यक्रम में बच्चन सिंह ,लोकेश सिंह, नरेश, खचेडू सिंह, शाकिर अली, दिनेश सिंह, जगदीश यादव, पुष्पेंद्र सिंह, जसपाल सिंह ,मेहकार भड़ाना, जुल्फिकार मलिक, राजेंद्र यादव, सुरेश यादव ,प्रदीप सिंह ,वेद प्रकाश शर्मा ,सतपाल सिंह ,ब्रह्मानंद सैनी, फतेह सिंह, सहित दर्जनों से अधिक संगठन के किसान एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमरोहा में फास्ट फूड की लत ने ली कक्षा11वीं छात्रा की जान

अमरोहा (सब का सपना):- फास्ट फूड खाने का शौक अमरोहा जिले में एक 11वीं कक्षा की होनहार छात्रा अहाना की जान पर भारी पड़ गया। चाऊमीन, मैगी, पिज्जा और बर्गर जैसे जंक फूड के लगातार सेवन से उसकी आंतें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। आंतों में छेद हो जाने और आपस में चिपक जाने के कारण उसकी हालत बिगड़ती चली गई। तीन महीने तक इलाज चला, लेकिन रविवार रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में हार्ट फेल होने से उसने दम तोड़ दिया। अहाना अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अफगनान की निवासी थी। वह किसान मंसूर खान की सबसे छोटी बेटी थी। परिवार में मां सारा खान, एक भाई और दो बहनें हैं। अहाना

हाशमी गर्ल्स इंटर कॉलेज में कक्षा 11 की छात्रा थी और पढ़ाई में काफी होनहार थी। परिजनों के अनुसार, उसे फास्ट फूड खाने की बुरी आदत थी। माता-पिता बार-बार मना करते थे, लेकिन वह रोजाना बाहर का चटपटा खाना खाती रहती थी। सितंबर महीने में अहाना की तबीयत अचानक बिगड़ी। पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद जांच में पता चला कि उसकी आंतें बुरी तरह खराब हो चुकी हैं। कई जगह छेद हो गए थे और आंतें आपस में चिपक गई थीं। मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में उसका ऑपरेशन किया गया। कुछ दिनों घर आने के बाद हालत में सुधार दिखा और वह चलने-फिरने भी लगी थी। लेकिन चार दिन पहले फिर तबीयत बिगड़ने पर उसे दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया। अहाना के मामा गुलजार खान उर्फ गुड्डू ने बताया कि डॉक्टरों ने स्पष्ट कहा है कि लंबे समय तक फास्ट फूड का सेवन ही आंतों के इस हालत की मुख्य वजह है। मैदा और प्रिजर्वेटिव्स से भरपूर ये खाद्य पदार्थ पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। रविवार रात अचानक हालत गंभीर हो गई और हार्ट फेल होने से अहाना की मौत हो गई। शव घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। यह घटना फास्ट फूड की बढ़ती लत के खतरों को उजागर करती है। युवाओं और अभिभावकों को इससे सबक लेने की जरूरत है।

युवा राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकताओं ने मनाई चौधरी चरण सिंह जी की 123वीं जयंती

अमरोहा (सब का सपना):- युवा राष्ट्रीय लोकदल के तत्वावधान में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की 123वीं जयंती बी.एस.के. फार्महाउस, सकतपुर करनपुर, जनपद अमरोहा में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चौधरी सरजीत सिंह पूर्व न्यायाधीश रहे। वरिष्ठ मुख्य अतिथि शीशराम सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में इरकान अली जिलाध्यक्ष, युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी गजराम सिंह ने की एवं संचालन विशाल प्रजापति ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता, ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के

चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। मुख्य अतिथि चौधरी सरजीत सिंह ने कहा कि स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी ने भारतीय लोकतंत्र को किसान-केंद्रित दृष्टि प्रदान की। उनका जीवन संविधानिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण का प्रेरक उदाहरण है। वरिष्ठ मुख्य अतिथि शीशराम सिंह ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी की राजनीति सत्ता की नहीं, बल्कि सेवा, संघर्ष और सिद्धांतों की राजनीति थी। उन्होंने हमेशा किसान, मजदूर और गांव के अंतिम व्यक्ति की आवाज को प्राथमिकता दी। विशिष्ट अतिथि इरकान अली, जिलाध्यक्ष युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा ने कहा कि युवा राष्ट्रीय लोकदल स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की विचारधारा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। किसान का सम्मान, सामाजिक न्याय और भाईचारे की राजनीति ही संगठन की मूल दिशा है। कार्यक्रम में स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के किसान हितैषी विचारों, ग्राम स्वराज की अवधारणा और सामाजिक समरसता पर प्रकाश डाला गया तथा उनकी विचारधारा पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से चित्रेश प्रजापति, संजीव कुमार, मीनू ठाकुर, नूर मलिक, शिवपाल रावत, मोहित त्यागी, पप्पू पाल, कासिम सैफी, चमन प्रजापति, दिनेश प्रजापति, भूरे सिंह मास्टर सहित अनेकों व्यक्ति एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जायद 2026 में गन्ना उत्पादक किसानों के लिए सुनहरा अवसर: उड़द और मूंग के निशुल्क बीज

अमरोहा (सब का सपना):- जिला प्रशासन और राज्य सरकार द्वारा संचालित दलहन-तिलहन बीज मिनी किट वितरण योजना के तहत जायद 2026 में गन्ना उत्पादक किसानों को उड़द और मूंग के बीज निशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। यह योजना गन्ने की फसल में खेती को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी और भूमि का बेहतर उपयोग होगा। वसंतकालीन गन्ना उगाने वाले किसान जो जायद 2026 में गन्ने की फसल के साथ उड़द और मूंग की खेती करना चाहते हैं, वे कृषि विभाग के आधिकारिक पोर्टल 'कृषि दर्शन-2' पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की तिथि 20 दिसंबर 2025 से 20 जनवरी 2026 तक है। एक किसान अधिकतम 1 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए ही बीज प्राप्त करने हेतु आवेदन कर सकेगा। आवेदनों की प्राप्ति के बाद

ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से चयनित किसानों को विकासखंड स्तरीय राजकीय कृषि बीज भंडार से निशुल्क बीज वितरित किए जाएंगे। केवल कृषि विभाग में पंजीकृत किसान ही इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने सभी गन्ना उत्पादक किसानों से अपील की है कि वे समय रहते ऑनलाइन बुकिंग अवश्य करें और इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाएं। यह योजना किसानों की आय दोगुनी करने और दलहन उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

केनरा बैंक आरसेटी बहजोई द्वारा सुदूर गाँव में प्रारंभ किया गया नि:शुल्क प्रशिक्षण

तहसील गुन्नौर के जड़वार गाँव में समूह की दीदी के लिए सॉफ्ट टॉयज का प्रशिक्षण प्रारंभ

बहजोई/संभल(सब का सपना):- ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में केनरा बैंक का ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सीवीआरसेटी) बहजोई केंद्र एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। यहां वर्तमान में चार बैचों के माध्यम से कुल 138 युवाओं को निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इन कोर्सों में सहायक बुककीपर (अकाउंट्स असिस्टेंट), ब्यूटी प्रैक्टिशनर, सॉफ्ट टॉयज मेकिंग और उद्यमिता विकास जैसे व्यावहारिक पाठ्यक्रम शामिल हैं, जो युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मजबूत आधार दे रहे हैं। संस्थान न केवल केन्द्र पर कौशल सिखाने तक सीमित है, सूदूर गाँव में भी प्रशिक्षण करवा रहा है, इसी कड़ी

में, सीवीआरसेटी ने मानव ग्रामीण विकास समिति के सहयोग से गुन्नौर ब्लॉक के जड़बार गाँव में महिलाओं के लिए सॉफ्ट टॉयज बनाने तथा बेचने का एक विशेष बैच प्रारंभ किया है। इसमें सभी 35 महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई दीदियां हैं,बैच का उद्घाटन मानव ग्रामीण विकास समिति के संयोजक वी एसटी एंथोनी स्कूल के प्रधानाचार्य राज ने किया, राज जी ने बताया कि यह प्रशिक्षण समूह की दीदियों को अपने पैरों पर खड़े होने में मदद करेगा और उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को समिति द्वारा आवश्यकतानुसार खरीदने का भी आश्वासन दिया। सीवीआरसेटी के निदेशक विनीत तिवारी ने बताया कि हमारा संस्थान केंद्र से बाहर भी जन सहयोग से प्रशिक्षण करवाता है। अब तक यहां से 1400 से अधिक प्रशिक्षु विभिन्न कोर्स पूर्ण कर चुके हैं, जिनमें से कई ने अपना स्वरोजगार शुरू किया है, जबकि अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में नौकरी पा ली है। यह युवाओं की सफलता ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। भविष्य की योजनाओं पर बोलते हुए विनीत तिवारी ने कहा कि आगामी बैचों में आर्टिफिशियल ज्वेलरी मेकिंग, राजमिस्त्री और बीसी (बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट) जैसे कोर्स शुरू होने वाले हैं। इसके अलावा, 1 फरवरी से DTP (डेस्कटॉप पब्लिशिंग) और 15 फरवरी से पार्लर एवं सिलाई के बैचों के लिए आवेदन भरे जा रहे हैं। इच्छुक युवा संस्थान कार्यालय बहजोई या फिर हमारे मोबाइल न. पर 8808222447 संपर्क कर सकते हैं।

यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या को दूर करने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केनरा बैंक की यह पहल न केवल आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है, बल्कि समुदाय की समग्र उन्नति में भी योगदान दे रही है। अधिक जानकारी के लिए सीवीआरसेटी बहजोई से संपर्क करें।

अवैध मिट्टी खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई सात ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सीज, एक डंपर का चालान

असमोली/संभल(सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए मंगलवार सुबह विशेष अभियान चलाया। जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी के निदेशों पर खनन निरीक्षक शिवम कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान थाना असमोली क्षेत्र के मढ़न पुलिस चौकी में अवैध मिट्टी खनन में संलिप्त 6 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। इसी क्षेत्र की मंसूरपुर माफी पुलिस चौकी से एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी अवैध खनन के आरोप में जब्त किया गया। इसके अलावा, उप खनिज (मिट्टी) का अवैध परिवहन कर रहे एक डंपर को पकड़ा गया। डंपर का चालान किया गया और नियमानुसार जुमार्ना मौके पर ही वसूल कर लिया गया। खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी के सख्त

निदेशों के अनुपालन में की गई है। जनपद प्रशासन अवैध खनन के खिलाफ पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी रहेंगे। प्रशासन का कहना है कि अवैध खनन न केवल राजस्व की हानि पहुंचाता है बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान जनपद में अवैध खनन पर लगाम कसने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह ने हमेशा ही किसानों के हित के लिए किया संघर्ष :-कामेन्द्र चौधरी

बीआरएसएस कार्यकताओं ने चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई जयंती

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ता चौधरी चरण सिंह की 123 वी जयंती पर हल्लू सराय स्थित चौधरी चरण सिंह पार्क में एकत्रित हुए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों के मसीहा थे, उनका कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था ! चौधरी चरण सिंह ने हमेशा ही किसानों के हित के लिए संघर्ष किया और कई महत्वपूर्ण फैसले लिए ! उन्होंने जुलाई 1979 से जनवरी 1980 तक देश के प्रधानमंत्री के तौर पर कार्यकाल के दौरान किसानों के उत्थान और विकास के लिए अहम अनेक नीतियां बनाई ! बाद में उनके यह प्रयास सफल भी हुए और किसानों की हालत में काफी सुधार आया ! उन्होंने जमींदारी उन्मूलन और कृषि सुधारों में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्हें किसान नेतो के रूप में जाना जाता है, उनकी जयंती को भारतीय कृषि और ग्रामीण विकासे में उनके योगदान के लिये वर्ष 2001 से किसान दिवसे के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण और किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित किया। कार्यकताओं ने हल्लू सराय स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया ! मुख्य रूप से युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला सलाहकार सरदार गुरुवचन सिंह, संगठन मंत्री चौ. ऋषिपाल सिंह, जिला महामंत्री (अ. मो.) इस्माइल खां, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन, वरिष्ठ कार्यकर्ता मो. हसन, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, राजू सैनी एवं महिला मोर्चा से ब्लॉक महासचिव ननिहा देवी, ब्लॉक सचिव निशा देवी, दिलवारी देवी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला न्यायाधीश, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार मुरादाबाद का किया संयुक्त निरीक्षण

संभल (सब का सपना):- जिला न्यायाधीश विधुषी सिंह, जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने जिला कारागार मुरादाबाद का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कारागार की व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने बंदियों के आवासीय बैरकों, रसोईघर एवं भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाओं, पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली तथा सुरक्षा मानकों का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही कारागार प्रशासन द्वारा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने की स्थिति की भी समीक्षा की गई।
अधिकारियों ने कारागार में निरुद्ध बंदियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को सुना। बंदियों द्वारा उठाई गई शिकायतों एवं जरूरतों के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान बंदियों के मानवाधिकारों की रक्षा, स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने तथा कारागार में अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया निरीक्षण उपरांत कारागार प्रशासन को कड़े निर्देश दिए गए कि बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित सभी सुविधाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराई जाएं तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा शिकायतों के त्वरित निस्तारण के भी निर्देश जारी किए गए।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान सम्मान दिवस का आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती को किसान सम्मान दिवस के रूप में डीआर रिसोर्ट, बहजोई में धूमधाम से मनाया गया। सुशासन सप्ताह के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में कृषि प्रदर्शनी, जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी और किसान मेला शामिल रहा। लगभग 1600 किसानों ने इसमें भाग लिया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस आनंद कुमार सिंह पूर्व जिलाधिकारी सम्भल) और भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह 'रिंकू' ने फीता काटकर उद्घाटन किया। अधिकारियों ने विभिन्न स्टालों का निरीक्षण किया। आनंद कुमार सिंह ने चौधरी चरण सिंह के किसान हितैषी कार्यों को याद करते हुए सरकार की योजनाओं की जानकारी दी और प्रशासन से गांवों

में जाकर किसानों की समस्याएं सुलझाने की अपील की। जिलाधिकारी ने अध्यक्षता करते हुए चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि दी और 32 उत्कृष्ट किसानों को प्रशस्ति पत्र, शाल व जैविक किट देकर सम्मानित किया। उन्होंने किसानों से योजनाओं का लाभ लेने, उत्पादन बढ़ाने और सफाई रखने का आह्वान किया। प्राकृतिक खेती पुस्तक का विमोचन भी हुआ। मुख्य विकास अधिकारी ने जैविक खेती अपनाने और पानी के संयमित उपयोग पर जोर दिया। उप कृषि निदेशक अरूण कुमार त्रिपाठी ने चौधरी चरण सिंह के जीवन व विभागीय योजनाओं पर प्रकाश डाला। एक किसान को ट्रैक्टर की चाबी सौंपी गई। तकनीकी सत्र में डॉ. महावीर सिंह ने गेहूं, सरसों व लहठा की उन्नत किस्मों और सिंचाई के बारे में बताया। अन्य विभागों ने भी अपनी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन राम आशीष ने किया। कृषि विभाग के कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा। यह आयोजन किसानों को प्रोत्साहित करने में सफल साबित हुआ।

राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के कार्यकताओं द्वारा एक विचार गोष्ठी का आयोजन

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाज के प्रबुद्ध लोग रहे उपस्थित

संभल(सब का सपना):- चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के कार्यकताओं द्वारा एक गरिमामय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार गोष्ठी की अध्यक्षता राष्ट्रीय लोकदल के सम्भल शहर अध्यक्ष मुहम्मद शारिक जीलानी ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाज के प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुहम्मद शारिक जीलानी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के ऐसे महान व्यक्तित्व थे जिन्होंने किसान, मजदूर और वंचित वर्ग की आवाज को मजबूती से देश की संसद तक पहुँचाया। उन्होंने हमेशा गांव, खेत और किसान को देश की आत्मा माना और अपने पूरे जीवन में किसान हितों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। चौधरी चरण सिंह का जीवन सादगी,

ईमानदारी और सिद्धांतों का प्रतीक था। विचार गोष्ठी में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह केवल एक राजनेता नहीं बल्कि एक विचारधारा थे, जिन्होंने शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद की और सामाजिक न्याय को नई दिशा दी। उनका मानना था कि जब तक किसान मजबूत नहीं होगा, तब तक देश मजबूत नहीं हो सकता। उन्होंने कृषि सुधारों, भूमि सुधार कानूनों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए ऐतिहासिक कार्य किए।
शावेज खान ने राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के नेतृत्व की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी चौधरी चरण सिंह की विचारधारा को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। किसानों के अधिकार, युवाओं के भविष्य और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए जयंत चौधरी निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। उनकी राजनीति में संवेदनशीलता, आधुनिक सोच और जनहित सर्वोपरि है। कार्यक्रम में यह संकल्प लिया गया कि चौधरी चरण सिंह और जयंत चौधरी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा और किसानों, युवाओं एवं समाज के हर वर्ग के हक के लिए राष्ट्रीय लोकदल मजबूती से संघर्ष करता रहेगा।
अंत में अध्यक्ष मुहम्मद शारिक जीलानी ने सभी उपस्थित साथियों का आभार व्यक्त किया और चौधरी चरण सिंह के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर अयान, नुसरत, शावेज खान, मुहम्मद शारिक, हन्नान सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता तथा स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सपा कार्यकताओं ने चौधरी चरण सिंह की जयंती किसान दिवस के रूप में मनाई

कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं पर की गई चर्चा और जरूरतमंदों को किए गए लिहाफ वितरित

संभल(सब का सपना):- देश के पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने संभल जिले में किसान दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खान के नेतृत्व में कार्यकताओं ने पार्टी के निजी कार्यालय पर एकत्र होकर जिले के कार्यालय और हल्लू सराय स्थित चौधरी चरण सिंह पार्क में उनके चित्र एवं प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई और जरूरतमंदों को लिहाफ वितरित किए गए। फिरोज खान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संभल जिले में छुट्टा पशुओं की बढ़ती संख्या के कारण सड़क दुर्घटनाएं आम हो गई हैं और

कई लोगों की जानें जा चुकी हैं। उन्होंने मांग की कि इन पशुओं को पकड़कर उनके सींगों पर रिफलेक्टर टेप लगवाया जाए और उन्हें गोशालाओं में भेजा जाए। साथ ही, किसानों को गन्ने का वाजिब दाम सुनिश्चित किया जाए तथा खाद की व्यवस्था हो। खान ने चौधरी चरण सिंह को किसानों, नौजवानों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों सहित सभी वर्गों का नेता बताया, जिन्होंने किसानों की आवाज को लोकसभा तक पहुंचाया। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा,चौधरी साहब हमेशा कहते थे कि देश के विकास का रास्ता गांव की पगडंडी से होकर जाता है। वे किसानों और नौजवानों के दिलों में हमेशा बसे रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में सपा कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि चौधरी चरण सिंह के दिखाए मार्ग पर चलते हुए किसानों और नौजवानों की आवाज को कभी दबने न देंगे। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि जनता की समस्याओं को उठाते रहेंगे, पार्टी को एकजुट होकर मजबूत करेंगे, अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करेंगे तथा 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए कृतसंकल्प रहेंगे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अकील खान, जीशान खान, दानिश, जाहिद खान, अनस, छोटू, कल्यान, जबर सिंह यादव, वीरेश यादव, राजेश यादव, मोनिस, रामरहिस यादव, अजय यादव, सलीम, रिजवान खान, ओमकार यादव, नाजिर खान, अकरम, गौरव, गुलाम मुस्तफा, फैजान, शाही आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीमा क्लेम अस्वीकार करने पर एसबीआई को लगा झटका

उपभोक्ता आयोग ने 2 लाख बीमा राशि के साथ 50 हजार ठोका जुमार्ना

बहजोई/संभल(सब का सपना):- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 2 लाख रुपये के बीमा क्लेम को गलत आधार पर अस्वीकार करने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने SBI लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को निर्देशित किया है। आयोग ने कंपनी को न केवल पूरी बीमा राशि भुगतान करने का आदेश दिया, बल्कि मानसिक प्रताड़ना और आर्थिक हानि के लिए 50 हजार रुपये का जुमार्ना तथा मुकदमा व्यय के रूप में 5 हजार रुपये अतिरिक्त देने के निर्देश दिए।
मामला गांव अतरासी निवासी रामगोपाल का है। उनके भाई महिपाल का बचत खाता भारतीय स्टेट बैंक की पंवासा शाखा में था। महिपाल ने अपने जीवनकाल में केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में नामांकन कराया था, जिसमें रामगोपाल को नामिती बनाया गया था। महिपाल की मृत्यु 20

जनवरी 2023 को हो गई। इसके बाद रामगोपाल ने सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बैंक से बीमा राशि की मांग की। हालांकि, रइक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने मृत्यु प्रमाण पत्र को सही नहीं बताकर क्लेम देने से इनकार कर दिया। इससे मजबूर होकर रामगोपाल ने जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया। परिवाद की पैरवी उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय ने की। उन्होंने आयोग को बताया कि बीमा राशि अदा न करने के लिए कंपनी मनगढ़ंत और झूठे आरोप लगा रही है। प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र सरकारी वेबसाइट पर उपलब्ध और वैध है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आयोग ने अपना फैसला सुनाया। आयोग ने रइक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को आदेश दिया कि वह रामगोपाल को 2 लाख रुपये की बीमा राशि परिवाद दाखिल होने की तारीख से 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित दो महीने के अंदर अदा करे। साथ ही, मानसिक कष्ट और आर्थिक हानि के लिए 50 हजार रुपये तथा मुकदमा व्यय के लिए 5 हजार रुपये अलग से भुगतान करने को कहा गया। यह फैसला बीमा कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण सबक है कि वैध दस्तावेजों के आधार पर क्लेम अस्वीकार करने पर उपभोक्ता आयोग सख्त कार्रवाई कर सकता है। पीड़ित रामगोपाल ने आयोग के फैसले पर संतोष जताया है।

दिल्ली में 411 इकाइयों को बंद करने का नोटिस, 400 फैक्ट्रियां सील; प्रदूषण के खिलाफ सरकार का एक्शन तेज

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए सख्त कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी प्रदूषण अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट (पीयूसीसी) की जांच की जाएगी और फर्जी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चार नए ऑटोमैटिक टेस्टिंग स्टेशन को मंजूरी दी है, जिससे वाहनों की उत्सर्जन जांच अधिक सटीक और सुविधाजनक होगी। इसके अलावा, हाई-राइज बिल्डिंग्स पर लगे एंटी-स्मॉग गनों को अधिक समय तक चलाने की अनुमति दी गई है और बिल्डिंग मालिकों को परिसर के आसपास मिस्टिंग सिस्टम लगाने का विकल्प दिया गया है, साथ ही अब एंटी-स्मॉग गन या मिस्टिंग सिस्टम अनिवार्य कर दिए गए हैं। औद्योगिक प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने अब तक 411 इकाइयों को बंद करने के नोटिस जारी किए हैं, जबकि नगर निगम (एमसीडी) ने 400 इकाइयों को सील कर दिया है। मंत्री सिरसा ने कहा कि प्रदूषण फैलाने वाली किसी भी इकाई को बख्शा नहीं जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। मंत्री ने मौसम का हवाला देते हुए बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली का मौसम कुछ दिनों तक खराब रह सकता है, लेकिन सरकार प्रदूषण कम करने के लिए आगे भी प्रभावी कदम उठाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाने के लिए सभी प्रयास जारी हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर किसान सम्मान दिवस का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व० चौधरी चरण सिंह जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में किसान सम्मान दिवस आयोजित किया गया। जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, भूतपूर्व सदस्य माननीय पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश चंद्रपाल खड्गवंशी एवं अन्यों ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। जिलाधिकारी द्वारा इस अवसर पर कृषि, उद्यान, गन्ना, पशुपालन और अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टाल का भी निरीक्षण किया गया और उत्पादों की बारीकी से जानकारी ली गई जिलाधिकारी ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। उनका विकास ही विकसित उत्तर प्रदेश तथा विकसित भारत की आधारशिला है। सरकार किसानों की आय बढ़ाने एवं उनकी समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि आज के इस किसान सम्मान दिवस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को जलवायु परिवर्तन, बाजार की अनिश्चितताओं तथा अन्य आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाना है। इसके लिए सरकारी योजनाओं के साथ-साथ नई

एवं आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्रदान की जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि परंपरागत खेती में आधुनिकता का समावेश ही सतत विकास का मार्ग है। उन्होंने कहा कि अमरोहा का किसान प्रगति पर है। मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए किसानों से रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का न्यूनतम उपयोग करने की अपील की। जिलाधिकारी द्वारा किसान भाइयों से अपील की गई कि वह अपने उत्पादों का प्रसंस्करण करके सीधे उपभोक्ताओं को विक्रय करें। कृषक उत्पादक संगठनों से जुड़कर अपने उत्पादों को एकत्र करके, उनका प्रसंस्करण करके अधिक से अधिक उत्पादन ले। किसान भाई जैविक खेती को अपनाये और अधिक लाभ अर्जित करें। उन्होंने सुझाव दिया कि किसान अपने उत्पादन को कच्चे रूप में बेचने के बजाय मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) पर ध्यान दें। उदाहरणस्वरूप, टमाटर से सूप या केचप, मशरूम से आचार या पाउडर तथा अन्य फसलों से प्रसंस्कृत उत्पाद बनाकर बेचें। इससे न केवल उनकी आय में कई गुना वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय रोजगार सृजन होगा तथा प्रदेश एवं देश का समग्र विकास तेजी से आगे बढ़ेगा। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने कहा कि सरकार की मंशा है किसानों की आमदनी बढ़े जिसके लिए जनपद में लगातार प्रयास किया जा रहा है। किसानों के कल्याण सम्बन्धी योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने किसान भाइयों से कहा कि परंपरागत कृषि के साथ कृषि से संबद्ध अन्य व्यवसाय भी करें जैसे मधुमक्खी पालन, दुग्ध उत्पादन, मशरूम की खेती और पशुपालन आदि। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सशक्त बनाने का विशेष कार्य किया

जा रहा है। उनके द्वारा कृषि एवं व्यवसाय से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य किया जा रहा है जिससे उनकी आर्थिक स्थित मजबूत हो रही है। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाएं और आर्थिक रूप से मजबूत होकर आत्मनिर्भर बने। चंद्रपाल सिंह खड़गवंशी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसानों के सर्वांगीण विकास एवं उनकी समृद्धि के लिए सदैव चिंतित रहते हैं। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं से किसानों को जोड़ते हुए लाभांवित किया जा रहा है। कार्यक्रम में जनपद के 32 किसानों को जनपद स्तर पर विभिन्न फसलों में उत्कृष्ट उत्पादकता के लिए सम्मानित किया गया जिसमें गेहूं उड़द सरसों धान ज्वार सावा बाजरा एवं रागी के किसानों को प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप में क्रम से 7000 एवं ड्ढ5000 का भुगतान डीबीटी के माध्यम से कराया जाएगा। इसी प्रकार पशुपालन विभाग के 8 किसानों को 4 प्रथम एवं 4 द्वितीय पुरस्कार के रूप में 7000 एवं ड्ढ5000 डीबीटी के माध्यम से भुगतान किए जाएंगे। गन्ना विभाग के दो किसानों को प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार मत्स्य विभाग के 3 किसानों को प्रथम 3 किसानों को द्वितीय उद्यान विभाग के 4 किसानों को प्रथम तथा 4 किसानों को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 7000 एवं 5000 की धनराशि डीबीटी के माध्यम से भुगतान की जाएगी। साथ ही जनपद के सभी विकासखंडों से पांच पांच कृषकों को दो दो हजार रुपए उत्कृष्ट उत्पादकता के लिए भुगतान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त दो कृषकों को प्राकृतिक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यकम में जनपद के प्रगतिशील कृषकों ने अपने अनुभव भी साझा किए। जनपद के प्रगतिशील कृषक सुरेंद्र त्यागी ने गन्ने एवं हल्दी की सह फसली के बारे में बताया की गन्ने की एक बीघे फसल से वह 40 कुंतल गन्ने का उत्पादन एवं 10 कुंतल हल्दी का उत्पादन कर रहे हैं, सह फसली खेती से उन्हें बहुत लाभ है। गजेंद्र सिंह ढिल्लों, ग्राम खांडसाल कला द्वारा मछली पालन हेतु किसान भाइयों को प्रोत्साहित किया गया और बताया गया कि उनके द्वारा पिछले 4 वर्षों से मछली उत्पादन किया जा रहा है, प्रथम वर्ष में 18 बीघा से प्रारंभ करके आज वह 80 बीघा पर मछली पालन कर रहे हैं तथा प्रमुख फसलों की अपेक्षा 5 गुना मुनाफा कमा रहे हैं। प्रगतिशील कृषक पाति राम सैनी ने स्ट्रॉबेरी की खेती के बारे में किसान भाइयों को बताया कि वह पिछले 10 वर्षों से स्ट्रॉबेरी की खेती कर रहे हैं, और अन्य मुख्य फसलों की अपेक्षा 3 से चार गुना ज्यादा प्राप्त कर रहे हैं। गंगा शरण सैनी ने किसान भाइयों को बताया की उनके यहां मृदा परीक्षण की फैसिलिटी विकसित की गई है जो आधे घंटे में मृदा परीक्षण का परिणाम दे देती है किसान भाई आकर वहां पर मृदा परीक्षण करा सकते हैं। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि डॉ0 रामप्रवेश, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार सहित प्रगतिशील कृषक बंधु उपस्थित रहे।

आईपीएस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत एक विशेष सत्र आयोजित

सम्भल (सब का सपना):- भीमराव अम्बेडकर उत्तर प्रदेश पुलिस अकादमी, मुरादाबाद में चल रहे आईपीएस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में सम्भल जनपद के जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों को "समन्वय (Coordination)" विषय पर संबोधित किया। अधिकारियों ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि प्रभावी प्रशासन और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था की स्थापना के लिए पुलिस, प्रशासन, न्यायपालिका तथा अन्य विभागों के बीच मजबूत समन्वय अत्यंत आवश्यक है। समन्वय से न केवल संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होता है, बल्कि जनता की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान भी सुनिश्चित किया जा सकता है। प्रशिक्षु अधिकारियों को अपने भावी दायित्वों के निर्वहन में नेतृत्व क्षमता विकसित करने, संवाद कौशल को निखारने, टीमवर्क को अपनाने तथा व्यावहारिक दृष्टिकोण रखने के लिए प्रेरित किया गया। वास्तविक घटनाओं और परिस्थितियों के उदाहरणों के माध्यम से समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट रूप से समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने विभिन्न प्रश्न उठाए, जिनका अधिकारियों ने विस्तार से समाधान किया। अंत में, उन्हें जनसेवा और राष्ट्रसेवा की भावना से कार्य करने का संदेश दिया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रिवांस रिड्रेसल सिस्टम) की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में डिफाल्टर संदर्भों पर विस्तार से चर्चा हुई। संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि पोर्टल पर कोई भी डिफाल्टर संदर्भ नहीं दिखना चाहिए। विभिन्न विभागों के लंबित संदर्भों की समीक्षा की गई तथा अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित शिकायतों की समय से आख्या प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। साथ ही, सभी संदर्भों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। संतोषजनक एवं असंतोषजनक फीडबैक पर भी गहन चर्चा हुई। बैठक के बाद चंदौसी निवासी डॉ. नरेंद्र कुमार गुप्ता ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हृदय संबंधी रोगों, हार्ट अटैक, डायबिटीज आदि से बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्वस्थ खानपान, नियमित व्यायाम और उचित जीवनशैली अपनाने के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पांडेय, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर नीतू रानी, डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो बच्चों की हत्या का मामला आरोपी पर 50 हजार का इनाम, गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी

सम्भल(सब का सपना):- जिले में दो नाबालिग भाइयों के अपहरण और हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी धनवीर पुत्र नेत्रपाल (निवासी ग्राम सरेरा, थाना उघैती, बदायूं) की तलाश तेज कर दी है। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट और उद्घोषणा नोटिस भी जारी हो चुके हैं। मामला 28 नवंबर का है, जब मैथरा धर्मपुर (थाना धनारी) निवासी रामौतार ने अपने दो बेटों अमरपाल

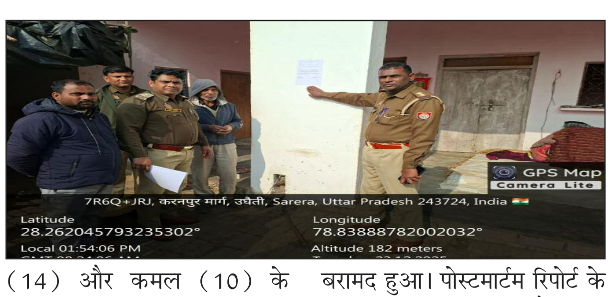

(14) और कमल (10) के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई। अमरपाल का शव 29 नवंबर को राजपुरा क्षेत्र में और कमल का शव 12 दिसंबर को भकरौली तालाब से बरामद हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, अमरपाल की मौत गला दबाने और सिर पर चोट से, जबकि कमल की मौत शॉक और खून बहने से हुई। पुलिस का मानना है कि आरोपी धनवीर ने ही यह अपराध किया। गिरफ्तारी के लिए स्वाट टीम के साथ कई दबिशें दी गईं, परिजनों से पूछताछ हुई, लेकिन आरोपी फरार है। 17 दिसंबर को इनाम घोषित किया गया और 21 दिसंबर को न्यायालय से उद्घोषणा नोटिस जारी कर आरोपी के घर व सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा किए गए। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि आरोपी की सूचना देने पर इनाम दिया जाएगा। जांच जारी है।

धनौरा में साइबर ठग ने दोस्त बनकर खाते से उड़ाए 3.62 लाख रुपए

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में एक साइबर ठग ने दोस्त बनकर एक युवक के खाते से 3.62 लाख रुपए उड़ा लिए। इस मामले में पीड़ित युवक ने धनौरा थाने में आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बता दें कि थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के सुनगढ़ माफी गांव में एक युवक से साइबर ठग ने दोस्तबनकर 3.62 लाख रुपए की ठगी कर डाली। ठगी करने वाले युवक ने पीड़ित को खाते में ड्ढ6 लाख जमा करने का झांसा दिया और फर्जी मैसेज भेज कर उसके खाते से रकम निकाल ली। पीड़ित ने इस

मामले में धनौरा थाने में आरोपी युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक गांव सुनगढ़ माफी निवासी हारुन सैफी पुत्र यामीन को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को उनका दोस्त बताया जिसकी आवाज परिचित लगने पर हारुन ने उस पर भरोसा कर लिया ,आरोपी ने हारुन से कहा कि उसने उनके खाते में छः लाख जमा किए हैं और इसका फर्जी मैसेज भी भेज दिया ,इस मैसेज को देखने के बाद जब हारून ने अपना खाता चेक किया तो उसमें कोई रकम जमा नहीं मिली ,इसी बीच उसके खाते से दो अलग-अलग लेनदेन के जरिए कुल 3 लाख 62 हजार निकाल लिए गए। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने मोबाइल के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी कर यह रकम निकाली है। इसमें कुछ पैसे कैसरा जनसेवा केंद्र के जरिए भी डाले गए थे। पीड़ित ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने मुकदमा संख्या 0469 दर्ज कर लिया है और साइबर सेल की मदद से आरोपी तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

दिल्ली में चलेंगी सिर्फ डीटीसी की बसें, नो पीयूसी-नो फ्यूल... दिल्ली कैबिनेट की बैठक में लिए गए अहम फैसले

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए कैबिनेट बैठक में महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, जिसमें दिल्ली में बसों का परिचालन पूरी तरह दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (डीटीसी) के तहत करने का निर्णय शामिल है, जिससे क्लस्टर या डीआईएमटीएस जैसी निजी व्यवस्थाओं को समाप्त कर 100% डीटीसी संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। यह फैसला सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाने और प्रदूषण कम करने की दिशा में उठाया गया कदम है। इसके साथ ही डीटीसी बस रूटों को युक्तिसंगत बनाने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा, ग्रैप-4 प्रतिबंध हटने के बाद भी 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम को स्थायी रूप से लागू रखने का निर्णय लिया गया, ताकि बिना वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र वाले वाहनों को ईंधन न दिया जाए और दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाए रखने में मदद मिले। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इन फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि ये कदम आने वाले समय में प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करेंगे। होलंबी कलां में ह्मई-वेस्ट इको पार्क स्थापित होगा वहीं एक अहम फैसले दिल्ली के जलाशयों और जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने पर लिया गया है। इससे भूजल स्तर में सुधार होगा, जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा और स्वच्छ जल स्रोतों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं, होलंबी कलां में ह्मई-वेस्ट इको पार्कह्ल स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। यह पहल इलेक्ट्रॉनिक कचरे के वैज्ञानिक और सुरक्षित निपटान को सुनिश्चित करेगी और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती देगी।

सपा कार्यकताओं की महत्वपूर्ण बैठक अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार हुई आयोजित

भाजपा सरकार पर किसान विरोधी नीतियों का लगाया आरोप

बहजोई/संभल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक बीआर होटल, बहजोई में संपन्न हुई। यह बैठक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार आयोजित की गई थी, जिसमें भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती को किसान दिवस के रूप में मनाया गया। बैठक की शुरूआत में जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने चौधरी चरण सिंह के चित्र पर माला अर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी याद में मौन धारण किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों के सच्चे मसीहा थे और उन्होंने किसानों के हितों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि खेती-बाड़ी की लागत दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, लेकिन सरकार एमएसपी की कानूनी गारंटी नहीं दे रही। किसान आंदोलनों में जानें गईं, बिजली आपूर्ति की समस्याएं बरकरार हैं और किसानों की जमीनों की लूट भाजपा राज में खूब फल-फूल रही है। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कार्यकताओं से अपील की कि वे चौधरी चरण सिंह के दिखाए रास्ते पर चलकर पार्टी को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीनों का अधिग्रहण बाजार भाव से कम मुआवजे पर हो रहा है, जिसे रोकना जरूरी है।

चंदौसी विधानसभा (31) के बनिया

ठेर एसआईआर प्रभारी आरिफ अख्तर ने भी चौधरी साहब को माला अर्पण कर सभी कार्यकताओं को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने विधानसभा की बीएलए बैठक को संबोधित करते हुए पदाधिकारियों से बूथ स्तर पर बचे हुए वोटों को ठीक कराने, नए वोटर बढ़ाने के लिए निवास प्रमाण पत्र, जन्मतिथि प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र बनवाने का काम शुरू करने को कहा।

जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने चंदौसी विधानसभा के सभी बीएलए और एसआईआर पदाधिकारियों को सक्रिय रहने और जनता के घर-घर जाकर वोट ठीक कराने के निर्देश दिए। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव, ताहिर उल्ला, पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी, पूरनलाल वाल्मीकि, संगीता पाल, भावना सक्सेना, सुनीता यादव, शोभित कुमार, सद्दाम कुरेशी, सुरेंद्र यादव, पूरनलाल मौर्य, चौधरी सोमपाल, उमेश यादव, रजत यादव, रिंकू चौहान, अभय प्रताप, संजय मदान, बलवंत सिंह, लालजी यादव, अशोक राणा एडवोकेट, राजवीर यादव, साजिद अली, गुड्डू वकील, मनोज शर्मा, रवि शंखधार, अंश वर्णवाल, अकेत जाटव, कपिल देव चौधरी, चौधरी नवकेश चाहल, मनोज शर्मा, चौधरी कीरत पाल, चौधरी युद्धवीर, प्रतीक नानू, शेख सद्दाम, नाथू यादव, रियासत भाई, आसिफ इकबाल, नदीम खान, एसपी बिलाल, कामरेड रेवाराम, पप्पू यादव, रत्नेश भारती, ओम प्रकाश प्रजापति, फैयाज भाई, हिमाचल जाटव, राहुफ ठेकेदार, साजिद कुरैशी, वीरपाल सिंह यादव, डॉ. हंसराज यादव, सुभाष यादव, डॉ. हो राम सिंह जाटव, अरविंद यादव, विजय यादव, मेहंदी हसन, धर्मपाल यादव, नेताजी लाइक सिंह, फराज, असगर, शेर मोहम्मद, बब्बन मौर्य, असिफ, आस मोहम्मद, फाईम अली, ललतेश यादव, राजू यादव, विकास यादव, संजीव यादव, बीरन यादव और पुष्पेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अरावली को बचाने के लिए आगे आए हरियाणा के कांग्रेस नेता, सदन में सरकार से भी मांगा जवाब

चंडीगढ़ः हरियाणा विधानसभा विंटर सेशन के बाद नेता प्रतिपक्ष पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा आज पत्रकारों से रूबरू होंगे। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पहाड़ काटे गए तो रेगिस्तान दिल्ली, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक बढ़ सकता है। अरावली बारिश के पानी को रोककर ग्राउंड वाटर रिचार्ज करता है, जो बंद हो जाएगा। दिल्लीझ्रएनसीआर में पानी की समस्या अधिक गंभीर होगी।पहाड़ टूटने से बाढ़ की समस्या बढ़ेगी। वन्यजीवों का नुकसान होगा। तामपाल में बढ़ोतरी होगी। अवैध खनन और माफिया राज बढ़ेगा। अरावली को काटने का मतलब है, पानी, हवा, जंगल और जीवन को काटना।

हरियाणा विधानसभा में अरावली क्षेत्र में 100 मीटर तक खुदाई करने की अनुमति संबंधी केंद्र के फैसले पर विपक्षी दल कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि अरावली क्षेत्र में 100 मीटर तक खुदाई से पर्यावरण को नुकसान पहुंचेगा।

केंद्र सरकार द्वारा जो फैसला लिया गया है, हरियाणा सरकार को उस पर अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान सरकार द्वारा उन विषयों पर चर्चा की, जो विषयहीन थे, लेकिन अरावली लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन की रेखा है, जिसे बचाने की जरूरत है। अरावली पर्वत श्रृंखला दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह केवल पहाड़ नहीं, बल्कि उत्तर भारत का प्राकृतिक सुरक्षा कवच है। इसे काटने या खनन करने से गंभीर पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

हरियाणा में इस गांव का नाम बदला, पहले बोलने से कतराते थे लोग, अब नए नाम से मिली पुरानी पहचान

कैथल : कैथल जिले के चुहड़ माजरा गांव को नई पहचान मिल गई है। अब यह गांव ब्रह्मानंद माजरा के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम के दौरान इसकी औपचारिक घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्राम पंचायत कमेटी द्वारा गांव का नाम बदलने का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुहड़ माजरा गांव जगद्गुरु ब्रह्मानंद की जन्मस्थली है और उनकी स्मृति व सम्मान में गांव का नाम ब्रह्मानंद माजरा रखा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज से ही गांव को नए नाम से जाना जाएगा और सभी

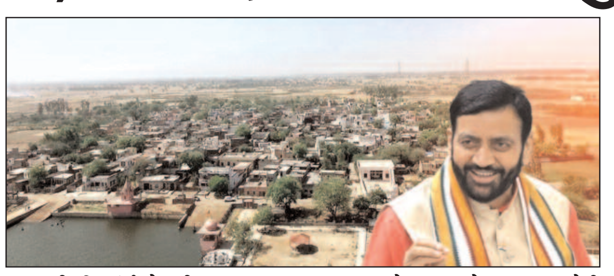

सरकारी रिकॉर्ड में भी आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। गांव के विकास के लिए कई घोषणाएं

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गांव के विकास के लिए कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने ब्रह्मानंद माजरा के समग्र विकास के लिए 51 लाख रुपये देने की घोषणा की। साथ ही गांव में गुरु ब्रह्मानंद के नाम से एक लाइब्रेरी स्थापित करने की भी घोषणा की गई। गांव के मुख्य प्रवेश द्वार को गुरु ब्रह्मानंद के नाम पर विकसित करने के लिए 21 लाख रुपये स्वीकृत किए गए।गांव में खोला जाएगा कोचिंग सेंटर इसके अतिरिक्त अहैर-कुरान इसराना चौक का नाम गुरु ब्रह्मानंद के नाम पर रखने और इसके विकास के लिए 30 लाख रुपये देने की घोषणा की गई। ढांड-पूंडरी सड़क मार्ग का नामकरण भी गुरु ब्रह्मानंद के नाम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि गुरुग्राम में गुरु ब्रह्मानंद जी के नाम से एक कोचिंग सेंटर खोला जाएगा, जिसके लिए नियमानुसार प्लॉट उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में जगद्गुरु ब्रह्मानंद के 118वें जन्मोत्सव पर राज्यस्तरीय आयोजन हुआ, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, विधानसभा उपाध्यक्ष कृष्ण मिड्ढा, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, सांसद नवीन जिंदल और मंत्री रणबीर गंगवा भी उपस्थित रहे।

करोड़ों रुपए की वेक्सीन मार्केट में भी बेचने के आरोप

बहादुरगढ़ : केंद्र सरकार द्वारा संचालित टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत बहादुरगढ़ में स्वास्थ्य विभाग पर बड़े घोटाले के आरोप लगे हैं। आरोप है कि कई कालोनियों में बीसीजी का टीका लगाए बिना ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने फर्जी रिकॉर्ड तैयार कर दिए, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका जताई जा रही है। इतना ही नहीं करोड़ो रुपए की बीसीजी वैक्सिंग ब्लैक मार्किट में बेचने के भी आरोप लगे हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत देश के 22 राज्यों में यह कार्यक्रम लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य देश को टीबी मुक्त बनाना है। बहादुरगढ़ की कई कालोनियों में टीबी ग्रसित रोगियों के परिवारजनों और संभावित टीबी मरीजों को बीसीजी का टीका लगाया जाना था, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि उनके क्षेत्र में कोई टीकाकरण अभियान चलाया ही नहीं गया। मामले की शिकायत अनूप अहलावत द्वारा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव से किए जाने के बाद जांच शुरू की गई। जांच कमेटी ने आदर्श नगर अर्बन पीएचसी पहुंचकर शिकायतकर्ता से पूरे मामले की जानकारी ली। इस दौरान कई महिलाएं भी अर्बन पीएचसी पहुंचीं, जिनके नाम स्वास्थ्य विभाग के सर्वे में दर्ज पाए गए, लेकिन महिलाओं ने बताया कि उन्हें या उनके परिवार के किसी सदस्य को बीसीजी का टीका नहीं लगाया गया। महिलाओं का कहना है कि उनकी कालोनी में स्वास्थ्य विभाग की ओर से न तो कोई सर्वे टीम आई और न ही टीकाकरण अभियान चलाया गया। इसके बावजूद कागजों में टीकाकरण पूरा दिखा दिया गया।शिकायतकर्ता अनूप अहलावत का आरोप है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच हुई तो स्वास्थ्य विभाग के बड़े अधिकारियों के नाम भी सामने आ सकते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये की बीसीजी वैक्सीन को ब्लैक मार्केट में बेचा गया है। उन्होंने इस मामले की जांच उच्च स्तर पर करवाये जाने की मांग की है अनूप अहलावत ने चेतावनी दी है कि यदि जांच को प्रभावित करने की कोशिश की गई या सही कार्रवाई नहीं हुई, तो वह इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करेंगे। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की जांच जारी है और पूरे मामले पर प्रशासन की कड़ी नजर बनी हुई है। मगर इस सम्बंध में स्वास्थ्य विभाग का कोई भी अधिकारी मीडिया के कैमरे के सामने बोलने को तैयार नहीं है।

नीरज चोपड़ा देंगे रिसेप्शन पार्टी, 25 दिसंबर को करनाल में होगी आयोजित

पानीपत : ओलिंपिक पदक विजेता और भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा की शादी के बाद रिसेप्शन कार्यक्रमों की तारीखें तय कर दी गई हैं। नीरज चोपड़ा की पहली रिसेप्शन पार्टी 25 दिसंबर को हरियाणा के करनाल में आयोजित की जाएगी। करनाल के द ईडन और जन्नत हॉल में एक ही दिन सुबह और शाम 2 अलग-अलग कार्यक्रम रखे गए हैं। जिनमें रिश्तेदारों, मित्रों और खेल जगत से जुड़े लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा 27 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन

किया जाएगा। यह कार्यक्रम दिल्ली के लीला होटल में होगा, जिसमें कई वीआईपी और विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। नीरज के परिवार की ओर से बताया गया है कि दिल्ली कार्यक्रम के लिए अलग से अतिथियों की सूची तैयार की गई है। नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सहित कई वरिष्ठ नेताओं और गणमान्य लोगों से मुलाकात कर उन्हें व्यक्तिगत रूप से रिसेप्शन में शामिल होने का निमंत्रण दिया है।गौरतलब है कि पानीपत जिले के खंडरा गांव के निवासी नीरज चोपड़ा ने सोनीपत की टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर से 16 जनवरी 2025 को विवाह किया था। यह शादी हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित एक रिजॉर्ट में सादगी से संपन्न हुई थी।

स्कूलों में सर्दी की छुट्टियों का ऐलान, 15 दिन बंद रहेंगे शिक्षण संस्थान

पंचकूला : हरियाणा सरकार ने प्रदेश में बढ़ती ठंड को देखते हुए सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त स्कूलों में सर्दी की छुट्टियों का ऐलान कर दिया है। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिनके अनुसार राज्य के सभी स्कूल 1 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कक्षा 1 से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए इस अवधि में नियमित शैक्षणिक गतिविधियां स्थगित रहेंगी। वहीं 16 जनवरी, शुक्रवार से सभी स्कूल सामान्य रूप से दोबारा खुल जाएंगे और पढ़ाई शुरू होगी।हालांकि छुट्टियों के दौरान कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को लेकर एक अहम निर्देश भी जारी किया गया है। शिक्षा विभाग के अनुसार, बोर्ड परीक्षा से जुड़े प्रावधानों के तहत जरूरत पड़ने पर इन कक्षाओं के छात्रों को प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए स्कूल बुलाया जा सकता है। यह व्यवस्था CBSE, ICSE और अन्य बोर्डों के नियमों के अनुसार ही लागू होगी।शिक्षा विभाग का कहना है कि प्रदेश में लगातार गिरते तापमान और बढ़ती ठंड को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। बच्चों की सेहत और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि ठंड के मौसम में उन्हें स्कूल आने-जाने में किसी तरह की परेशानी न हो। निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रबंधन को निर्देश दिए हैं कि वे आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। छुट्टियों के दौरान किसी भी प्रकार की नियमित कक्षाएं संचालित नहीं की जाएंगी।

यमुनानगर में लकड़ियों से भरे ट्रैक्टर-ट्राली को ट्रक ने मारी टक्कर, चालक नीचे दबा, हालत गंभीर

यमुनानगर : यमुनानगर जिले में मंगलवार सुबह घने कोहरे के चलते एक सड़क हादसा हो गया। जगाधरी-पोंटा साहिब नेशनल हाईवे पर मुंडाखेड़ा गांव के पास तेज रफ्तार एक ट्रक ने लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई और चालक लकड़ियों के नीचे दब गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह करीब 6 बजे क्षेत्र में घना कोहरा छाया हुआ था, जिससे विजिबिलिटी बेहद कम थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्राली को टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक लड़कियों के नीचे दब गया। जबकि

दूसरे युवक मुश्किल से जान बचाई। हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। ट्रैक्टर पर सवार दूसरे युवक ने तुरंत पास के एक ईंट भट्ठे पर जाकर मजदूरों से मदद मांगी। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने कड़ी मशक्कत के बाद लकड़ियों के नीचे दबे चालक को बाहर निकाला और उसे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया।ट्रैक्टर चालक की हालत गंभीर घटना के प्रत्यक्षदर्शी इमरान और बुशरा ने बताया कि हादसे के समय ट्रैक्टर चालक बुरी तरह घायल हो गया था। उसके शरीर में कई जगह गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने यातायात को सुचारु कराया और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाया। फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

केंद्रीय राज्यमंत्री के दिशा बैठक में तीखे तेवर, अपनी की पार्टी के जिला अध्यक्ष को भी सभी के बीच हड़काया

पलवल(दिनेश): केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने आज पलवल लघु सचिवालय में दिशा की मीटिंग ली और नगर परिषद में हुए घोटालों को लेकर अधिकारियों ने जमकर लताड़ लगाई और घोटालों की विजिलेंस जांच के लिए लिखा। इस दौरान स्थानीय भाजपा जिला अध्यक्ष के बीच में हस्तपक्षेप करने पर उनको भी जमकर हड़काया और कहा कि मीटिंग लेने में आया हूं तुम नहीं चुप बैठो। इस दौरान अन्य अधिकारी भी बगल झांकते नजर आए। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के ये तेवर यहां मौजूद लोगों के कैमरों में कैद हो गए। कृष्णपाल गुर्जर ने घोटालों की लिस्ट के साथ एक एक कर सभी घोटालों को लेकर सवाल जबाव किए इस दौरान अधिकारियों पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं बना तो केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और ज्यादा हाइपर हो गए। इस दौरान उन्होंने अवैध रूप से निकाली गई राशि का ब्यौरा जिला नगर आयुक्त से सवाल किया तो कोई जवाब नहीं बन पाया, साथ ही उन्होंने कार्यरत कर्मचारी और भर्ती किए गए कुल कर्मचारियों के बीच के अंतर को लेकर भी जमकर लताड़ लगाई।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार में भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं है और काफी लंबे समय से शिकायतें मिल रही थी

जिसको लेकर अब विजिलेंस जांच के आदेश दिए है जो भी जांच में सामने आएगा उनपर कार्यवाही की जाएगी। आपको बतादें की नगर परिषद में लंबे समय से घोटालों के आरोप लग रहे थे हाल ही में कांग्रेस

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने आज पलवल लघु सचिवालय में दिशा की मीटिंग ली और नगर परिषद में हुए घोटालों को लेकर अधिकारियों ने जमकर लताड़ लगाई और घोटालों की विजिलेंस जांच के लिए

नेता पूर्व मंत्री करन दलाल ने भी घोटालों के मुद्दे को प्रेस वार्ता के माध्यम से उठाया था जिनपर केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के तीखे तेवरों ने मोहर लगा दी।

खबर एक्सप्रेस

मकान में लगी आग में जिंदा जला दिव्यांग, पड़ोसियों ने घर से धुंआ निकलता देखा, पत्नी चलाती हैं परिवार

चरखी दादरी : चरखी दादरी की शिव कॉलोनी में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई है। दरअसल एक दिव्यांग व्यक्ति की जिंदा जलकर मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मकान में बिजली की टूटी हुई तार से शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे अचानक आग भड़क उठी। हादसे के समय घर में केवल दिव्यांग व्यक्ति ही मौजूद था, जबकि परिवार के अन्य सदस्य बाहर गए हुए थे। मृतक की पहचान 45 वर्षीय प्रह्लाद जांगड़ा के रूप में हुई है। वह पिछले करीब 12 वर्षों से दिव्यांग थे और चलने-फिरने में असमर्थ थे। प्रह्लाद अपने परिवार में दो बेटियों और एक बेटे के पिता थे। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर थी। उनकी पत्नी घर-घर जाकर सफाई का काम कर परिवार का पालन-पोषण करती थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पड़ोस की महिलाओं ने प्रह्लाद के मकान से धुआं निकलता देखा। कुछ लोग दीवार फांदकर घर के अंदर पहुंचे और पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पड़ोसियों ने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन तब तक आग भयावह रूप ले चुकी थी। प्रह्लाद की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना प्रभारी सुनील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। सिटी थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट लग रहा है। एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस हादसे से कॉलोनी में शोक की लहर है।

हरियाणाा में आरटीआई भरने वालों के लिए जरूरी खबर, लागू हुआ ये नियम

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने सभी विभागों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि राज्य जन सूचना अधिकारियों (एसपीआईओ) एवं प्रथम अपीलीय प्राधिकारियों द्वारा आरटीआई के पूरे जवाब तथा प्रथम अपील के आदेश सभी संलग्न दस्तावेजों के साथ अनिवार्य रूप से आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए जाएं। यदि दस्तावेज या फाइल का आकार बड़ा हो, तो उसे निर्धारित फाइल आकार सीमा के अनुरूप उचित रूप से कम्प्रेस किया जाए। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा राज्य के सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों/निगमों के मुख्य प्रशासकों/प्रबंध निदेशकों, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल, विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों, मंडलायुक्तों तथा उपायुक्तों को एक पत्र जारी किया गया है। सरकार के संज्ञान में आया है कि कई मामलों में सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल पर जवाब दर्ज करते समय केवल ह्लउत्तर संलग्न हैह्व अथवा ह्लउत्तर दे दिया गया हैह्व जैसी संक्षिप्त टिप्पणी दर्ज की जाती है, जबकि संबंधित दस्तावेज अपलोड नहीं किए जाते। इससे विशेष रूप से द्वितीय अपील के स्तर पर आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं हो पाती, क्योंकि आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल को एनआईसी द्वारा केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है।

भिवानी में एयर कंप्रेसर में धमाका, 2 युवकों की दर्दनाक मौत

भिवानी : भिवानी जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। मंढोली कलां गांव में स्थित एक बाइक रिपेयरिंग की दुकान पर एयर कंप्रेसर अचानक फट गया, जिससे दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज धमाके की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा और आसपास अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुकान संचालक ऋषि बाइक के टायर में हवा भर रहा था। जैसे ही टायर में नोजल लगाया गया, उसी दौरान कंप्रेसर में जोरदार विस्फोट हो गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि कंप्रेसर के लोहे के टुकड़े चारों ओर फैल गए और दुकान की छत (लिंटर) व दीवारें टूटकर नीचे गिर पड़ीं।ब्लास्ट के दौरान कंप्रेसर के नुकीले लोहे के टुकड़े दुकानदार ऋषि और दुकान के पास बैठे विजेंद्र के शरीर में जा धंसे। दोनों गंभीर रूप से घायल होकर मलबे में दब गए। आसपास के दुकानदारों ने धमाका सुना तो सभी दौड़कर आए। आसपास के दुकानदारों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों घायलों को बाहर निकालकर तुरंत अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल जाने के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के समय सड़क से गुजर रहे दो युवक भी विस्फोट की चपेट में आ गए। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। कंप्रेसर में धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज दूर तक सुनाई गई। सूचना मिलने पर बहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मलबा हटवाकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में कंप्रेसर में तकनीकी खराबी या अधिक दबाव को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए हैं।

कुरुक्षेत्र के जाने माने रिसोर्ट में पांच युवकों की मौत

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र में पिपली रोड स्थित होटल स्टर्लिंग रिसोर्ट में रात के समय कमरे में अंगीठी के कारण दम घुटने से पांच लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक स्टर्लिंग रिसोर्ट में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान रात के समय एक कमरे में रंग रोगन करने वाली लेबर क्लास के पांच लोग एक कमरे में सोए हुए थे। सुबह जब इस कमरे से कोई बाहर नहीं निकला तो होटल स्टाफ की ओर से कमरे की खिड़की से देखा गया। कोई हरकत न होने पर पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर एसएचओ सिटी दिनेश राणा, सेक्टर 7 चौंकी इंचार्ज कमल मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य जुटाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए शवों को भेजा गया।होटल के सुपरवाइजर उपेंद्र ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सहारनपुर का ठेकेदार नूर अपनी लेबर के साथ पेंट का काम करने आया था। रात को वे कमरे में सोए थे। सुबह जब सफाई कर्मी ने उन्हें बताया कि इस कमरे से कोई बाहर नहीं निकला है तो उन्होंने कमरे का दरवाजा खटखटाया फिर खिड़की से झांककर देखा तो कोई हरकत नहीं हुई। उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आज से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे रोहित, विराट और ऋषभ सहित कई सितारे

बेंगलुरु (एजेंसी)। रोहित शर्मा, विराट कोहली और ऋषभ पंत सहित कई स्टार क्रिकेटर बुधवार से यहां शुरु होने वाले घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे। ये टूर्नामेंट एकदिवसीय प्रारुप में खेला जएगा। ऐसे में इन सभी क्रिकेटरों का इससे अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। आजकल एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच कम होते हैं , ऐसे में इससे रोहित और विराट को विशेष लाभ होगा कयोंकि इन दोनो ने ही अन्य प्रारुपों से संन्यास ले लिया है। इस टूर्नामेंट से इन दोनो को ही अपनी लय बनाये रखने का अवसर मिलेगा। दोनो का ही लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले साल की शुरुआत के लिए होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी दावेदारी बरकारार रखना रहेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित, विराट और ऋषभ के अलावा शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा भी खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) ने हाल में सभी खिलाड़ियों को फिट होने पर घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी इसमें खेलते दिख रहे हैं।

रोहित इसमें एक दशक जबकि विराट 15 साल बाद खेलते दिखेंगे। ये दोनो इसलिए भी इसमें खेल रहे हैं ताकि 2027 एकदिवसीय विश्वकप की दौड़ में बने रहें। इन दोनो को पता है कि स्टार खिलाड़ी होने के बाद भी टीम में कई नई प्रतिभाएं हैं, ऐसे में इनपर अपने को बेहतर साबित करने का दबाव रहेगा।

रोहित ने कहा है कि वह मुंबई की तरफ से सिक्किम और उत्तराखंड के खिलाफ जयपुर में 24 और 26 दिसंबर को होने वाले पहले दो मैच खेलेंगे। वहीं कोहली ने अभ्यास किया और कहा कि वह दिल्ली की ओर से दो से तीन मैच खेलेंगे।

दिल्ली एलीट ग्रुप डी में अपना पहला मैच बेंगलुरु में आंध्र के खिलाफ खेलेगा। यह मैच या तो एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में या बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। इसके बाद दिल्ली का सामना गुजरात से होगा। कोहली के मंगलवार रात बेंगलुरु पहुंचने के बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह स्टार बल्लेबाज इन दोनों मैच में खेलेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में प्रदर्शन का अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवीसीय मैचों के लिए उनके चयन पर कोई विशेष असर नहीं पड़ेगा पर कोहली और रोहित जानते हैं कि युवा खिलाड़ी जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद ईशान किशन की टीम में वापसी से साफ है कि बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर ध्यान दे रहा है। ऐसे में खराब प्रदर्शन नुकसान देह होगा।

रोहित और कोहली के अलावा कई अन्य स्टा खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। इसमें दिल्ली के कप्तान ऋषभ और शुभमन जैसे खिलाड़ी हैं। ऋषभ पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के प्रारुप में सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। यही हाल शुभमन का भी है। वह भी टेस्ट क्रिकेट की टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं पर सीमित ओवरों की रन नहीं बना पा रहे हैं। इसी कारण ऋषभ की तरह व भी टी20 विश्वकप से वह बाहर है। अब ये दोनो ही बेहतर प्रदर्शन कर चयनकर्तओं के सामने आने को साबित करना चाहेंगे। करके राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचने की कोशिश करेंगे। इस ऋषभ ने अगस्त 2024 के बाद से एकदिवसीय या टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं खेला है।

वहीं शुभमन को भी उपकप्तान होने के बाद भी टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। ऐसे में उनका लक्ष्य भी अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। वह पंजाब की ओर से खेलते हुए हुए बेहतर प्रदर्षन करना चाहेंगे। करेगा। गिल के लिए यह अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से पहले एक अच्छा अभ्यास होगा, जिसमें वह भारत की कप्तानी करेंगे। इस टूर्नामेंट में चयनकर्ताओं की निगाह तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर भी टिकी रहेगी।

वहीं भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और आकाश दीप के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। ऐसे में ये भी बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने की दावेदारी पेश करेंगे।

पीएम मोदी से मिले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा... पत्नी भी रही मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलवार को लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास (7) से तस्वीरें सामने आई हैं, जहां उन्होंने भारतीय स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर की मेजबानी की। तस्वीरों में प्रधानमंत्री मोदी खिलाड़ी के साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत करते दिख रहे है।

बात दें कि नीरज भारत के सबसे प्रतिष्ठित एथलीटों में से एक हैं, लेकिन प्रतिस्पर्धा के लिहाज से 2025 का साल उनके लिए मिला-जुला रहा। उनके सीज़न की एक बड़ी उपलब्धि दोहा डायमंड लीग में दिखाई दी। जहां उन्होंने 90 मीटर का बहुप्रतीक्षित आंकड़ा छू लिया। 90.23 मीटर का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो एक व्यक्तिगत उपलब्धि थी, हालांकि यह स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था। जर्मनी के जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर के बेहतर थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जिससे नीरज को दूसरे स्थान पर रहना पड़ा है।

हार के बावजूद, नीरज ने अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक दोनों में जीत हासिल की। डायमंड लीग सीजन के दौरान, वे दौड़ रैंकिंग में कुल मिलाकर दूसरे स्थान पर रहे। हालांकि, विश्व चैंपियनशिप 27 वर्षीय नीरज चोपड़ा के लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर साबित हुई।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से दूर, नीरज को 2025 में भी जश्न मनाने के कारण मिले। उन्होंने बेंगलुरु में पहले नीरज चोपड़ा क्लासिक की मेजबानी की, जिसमें दुनिया भर के एथलीटों ने भाग लिया। घरेलू मैदान पर प्रतिस्पर्धा करते हुए, उन्होंने 86.18 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ टूर्नामेंट जीता, जबकि जूलियस येगो और रमेश पथिरागे क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

नोवाक जोकोविच ने चुना अनोखा ट्रेनिंग पार्टनर, ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 की तैयारी तेज

माल्टा (एजेंसी)। एटीपी टूर के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 की तैयारी के लिए अपने ऑफ-सीजन में एक नए और अप्रत्याशित ट्रेनिंग पार्टनर के साथ अभ्यास शुरू किया है। 36 वर्षीय सर्बियाई स्टार अपने करियर के अंतिम पड़ाव में होने के बावजूद लगातार शीर्ष पर बने रहने की कोशिश में हैं।

जोकोविच ने चुना युवा फ्रेंच खिलाड़ी

जोकोविच ने 23 वर्षीय फ्रेंच खिलाड़ी आर्थर काजॉक्स के साथ ट्रेनिंग शुरू की है। काजॉक्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, %तीन शानदार दिन, ट्रेनिंग, सीखने और ञ्चस्त्रद्बश्वद्मद्गह्लठ्ठश्वद्यद्ग के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिला। बहुत आभारी हूं।% यह साझेदारी इस लिहाज से भी हैरान करने वाली है कि काजॉक्स अभी टूर पर अपेक्षाकृत नया खिलाड़ी हैं।

आर्थर काजॉक्स का 2025 में प्रदर्शन

काजॉक्स ने 2025 में अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 58 हासिल की। उन्होंने किट्ज़बुहेल ञ्जक्फाइनल में खेलते हुए उल्लेखनीय खिलाड़ियों को हराया और ग्रैंड स्लैम स्तर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में दो जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन ने उन्हें जोकोविच के लिए एक आकर्षक ट्रेनिंग पार्टनर बना दिया।

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का कमाल, टी20आई गेंदबाजों की रैंकिंग में हासिल किया पहला स्थान

दुबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने घरेलू मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर में पहली बार टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया है। वहीं दूसरी ओर, आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की वनडे सीरीज के समापन के बाद, दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वाड ने वनडे बल्लेबाज के रूप में नंबर 1 स्थान पुनः प्राप्त कर लिया है, जो हाल ही में स्मृति मंधाना ने उनसे छीना था।

ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड अगस्त से टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर काबिज थीं, लेकिन विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ दीप्ति के चार ओवरों में 1/20 के हालिया स्पेल ने भारतीय स्टार को शीर्ष पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दीप्ति ने भारत की आठ विकेट की जीत से पांच रेटिंग अंक अर्जित किए और 28 वर्षीय खिलाड़ी अब टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वी से एक अंक की मामूली बढ़त बनाए हुए हैं।

वनडे बल्लेबाजों की नवीनतम रैंकिंग में मंधाना दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं, वहीं वोल्वाड्ट ने आयरलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली गई दक्षिण अफ्रीका की तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के अंतिम मैच में शानदार शतक लगाकर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वोल्वार्ड्ट ने आयरलैंड के खिलाफ खेले गए अंतिम दो मैचों में शतक बनाए और प्रोटियाज ने श्रृंखला 3-0 से जीत ली। दक्षिण अफ्रीका की बेहद सुसंगत कप्तान ने अपने करियर की नई उच्चतम रेटिंग हासिल की और एक स्थान ऊपर चढ़कर मंधाना को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं।

उनकी साथी खिलाड़ी अरुंधति रेड्डी (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 36वें स्थान पर) ने भी श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मैच के बाद टी20ढ्ढ गेंदबाजों की रैंकिंग में बढ़त हासिल की है, वहीं उनकी हमवतन जेमिमा रोड्रिग्स टी20आई बल्लेबाजों की नवीनतम सूची में सबसे आगे हैं, जो पांच स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं। रोड्रिग्स ने श्रीलंका के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता और वह टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की शीर्ष 10 सूची में शामिल हो गईं, जहां वह साथी भारतीय खिलाड़ी मंधाना (तीसरे स्थान पर) और शेफाली वर्मा (10वें स्थान पर) के साथ शामिल हो गईं।

बीसीसीआई ने अंडर-19 एशियाकप में खराब प्रदर्शन पर कोच और कप्तान से जवाब मांगा

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप अंडर-19 के फाइनल में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन पर टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे और टीम के मुख्य कोच ऋषिकेश कानिटकर से जवाब मांगा है।भारतीय टीम को फाइनल में करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे प्रशंसकों में निराशा का भाव है।इसके बाद से ही बीसीसीसी के सभी सदस्यों ने टीम के कमजोर प्रदर्शन की समीक्षा की मांग की थी। जिसे बीसीसीसी ने मान लिया है। फाइनल में भारतीय टीम को 191 रनों से हार मिली थी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनो ही विफल रहे थे। वहीं इससे पहले के सभी मैच भारतीय टीम जीती थी। ग्रुप स्तर पर हावी रही भारतीय टीम ने तब पाक को भी हराया था पर फाइनल में वह नाकाम रही।ये समीक्षा इसलिए भी की गयी ताकि अगले साल 2026 में होने वाले अंडर-19 विश्व कप से पहले टीम को हो रही परेशानी को हल किया जाये। पाकिस्तान की टीम ने फाइनल में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही प्रभाव जमाया और भारतीय टीम को कोई अवसर नहीं दिया।भारतीय टीम के गेंदबाजों के सामने पाक ने 347 रन बनाये और इसके बाद भारतीय टीम को 26 ओवरों में ही समेट दिया।

सुनील गावस्कर को मिली पर्सनैलिटी राइट्स की कानूनी सुरक्षा, बने पहले स्पोर्ट्सपर्सन

नई दिल्ली।भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इतिहास रचते हुए पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की न्यायिक सुरक्षा पाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है।दिल्ली हाई कोर्ट के इस अहम फैसले ने न केवल खेल जगत बल्कि डिजिटल कानून और सेलिब्रिटी अधिकारों के क्षेत्र में भी एक नई मिसाल कायम की है।यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में मशहूर हस्तियों की पहचान का दुरुपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनील गावस्कर के नाम, तस्वीर और पहचान के कथित गलत इस्तेमाल को लेकर सख्त रुख अपनाया।कोर्ट ने आदेश दिया कि सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मौजूद सभी उल्लंघनकारी पोस्ट, वीडियो और संबंधित कंटेंट को 72 घंटे के भीतर हटाया जाए।साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि संबंधित अकाउंट या यूजर ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी होगी कि वे स्वयं ऐसे कंटेंट को हटाएं।

नये साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड से एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब नये साल में ही मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम को नये साल की शुरुआत में अपनी ही धरती पर न्यूजीलैंड से तीन एकदिवसीय और 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी से होगी। इस दौरान भारतीय टीम को आठ अंतराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। टीम का पहला एकदिवसीय मैच 11 जनवरी को वडोदरा में जबकि दूसरा 14 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा वहीं तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच 18 दिसंबर को इंदौर में खेला जाएंगा। ये मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 1~30 बजे से खेले जाएंगे।

एकदिवसीय सीरीज के बाद टी20 मैचों की सीरीज होगी। इससे भारतीय टीम को फरवरी में अपनी ही धरती पर खेले जाने वाले टी20 विश्वकप के लिए अभ्यास का अवसर मिलेगा। विश्वकप से पहले इस सीरीज से भारतीय टीम को अभ्यास का अंतिम अवसर मिलेगा। सीरीज का पहला टी20 मैच 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 23 जनवरी को रायपुर में होगा ! तीसरा टी20 भारत 25 जनवरी को गुवाहाटी में खेलेगा वहीं चौथा मैच 28 को विशाखापत्तनम में जबकि सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 मैच 31 जनवरी 2026 को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। ये सभी मैच शाम 7~00 बजे से खेले जाएंगे। इसके बाद भारतीय टीम विश्व कप में खिताब बरकरार रखने उतरेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और न्यूजीलैंड के बीच अभी तक 120 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 62 जबकि न्यूजीलैंड ने 50 मैच जीते हैं। वहीं सात मैचों का परिणाम नहीं निकला है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 25 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले गये हैं। इसमें 14 में भारतीय टीम। वहीं 10 में न्यूजीलैंड जीती है जबकि एक मैच टाई रहा है।टी20 विश्वकप ओर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम उतरेगी।

किरण अंकुश जाधव ने राष्ट्रीय शूटिंग में 10 मीटर एयर राइफल का जीता स्वर्ण

भोपाल ।नेवी के किरण अंकुश जाधव ने मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं के तहत 10 मीटर एयर राइफल पुरुष फाइनल में संयमित और निरंतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।जाधव ने 252.1 अंकों के साथ प्रतियोगिता समाप्त की और ओलंपियन अर्जुन बाबूता को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 251.4 अंकों के साथ रजत पदक जीता।मौजूदा 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन्स राष्ट्रीय चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 229.8 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया।रेलवे के शहू तुषार माने 209.3 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे।उनके बाद हिमांशु ने 181.1, रमायणा तोमर ने 166.7, ओंकार विकास वाघमारे ने 145.4 और प्रदीप सिंह ने 123.3 अंकों के साथ फाइनल लाइन-अप पूरा किया।10 मीटर एयर राइफल पुरुष जूनियर फाइनल में गुजरात के मोहम्मद मुरतजा वानिया ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 254.3 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता।पश्चिम बंगाल के अभिनव शॉ ने 251.6 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि कर्नाटक के ओंकार विकास वाघमारे ने 230.1 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।कर्नाटक के नारायण प्रणव 209 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे, जिन्हें ओंकार के साथ शूट-ऑफ का सामना करना पड़ा।दिव्यांशु शैलेंद्र देवांगन 187.5 अंकों के साथ पांचवें और पार्थ माने 166.9 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे, जहां पार्थ भी शूट-ऑफ के बाद बाहर हुए।उमा महेश मद्दिनेनी ने 145.3 और हिमांशु ने 123 अंकों के साथ फाइनलिस्ट सूची पूरी की। 10 मीटर एयर राइफल पुरुष यूथ फाइनल में ओंकार विकास वाघमारे ने अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए 250 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता।उन्होंने अंतिम शॉट्स में निर्णायक बढ़त बनाते हुए अपने ही राज्य के नारायण प्रणव को 0.3 अंकों से पीछे छोड़ा, जिन्हें रजत पदक मिला। तमिलनाडु के शक्तिवेल सेंथिवेल ने 229.5 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। पार्थ माने 208.2 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे, जबकि अभिनव शॉ ने 187.3 और प्रीतम केंद्रे ने 166.4 अंकों के साथ क्रमश- पांचवां और छठा स्थान हासिल किया। अबिषेक सेखर ने 145.2 और रितेश रविंद्र घुले ने 123.1 अंकों के साथ अन्य फाइनलिस्ट के रूप में प्रतियोगिता समाप्त की।पदक वितरण समारोह का आयोजन विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

भारत एफआईएच विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसला, महिला टीम 10वें स्थान पर

लुसाने (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। भारत 2025 की शुरुआत पांचवें स्थान पर करने के बाद साल के अंत तक जाते-जाते FIH विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसल गया है जबकि महिला टीम 10वें स्थान पर है। 2025 में इंटरनेशनल हॉकी ने टॉप लेवल के एक्शन का एक लगातार कैलेंडर पेश किया - FIH हॉकी प्रो लीग की लड़ाइयों से लेकर नेशंस कप और नेशंस कप 2 के रोमांच के साथ-साथ सभी महाद्वीपों में कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप तक - जिससे एफआईएच वर्ल्ड रैंकिंग में बड़े बदलाव हुए।

पुरुषों और महिलाओं दोनों के खेल में, जानी-मानी टीमों ने अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि उभरती हुई टीमों ने महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। महिलाओं की रैंकिंग में, नीदरलैंड्स (3809) जिसने साल की शुरुआत टॉप स्थान पर की थी, उसने पूरे साल अपनी पकड़ बनाए रखी, एक और शानदार सीजन के साथ जिसमें उन्होंने प्रो लीग और यूरोहॉकी चैंपियनशिप में चैंपियनशिप जीतकर अपनी कैबिनेट में और ट्रॉफियां जोड़ीं, जबकि अर्जेंटीना (3326), बेल्जियम (3109) और चीन (2977) ने शानदार कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और प्रो लीग अभियानों के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर बने रहे, जहां से उन्होंने साल की शुरुआत की थी।

स्पेन (2777) टॉप-10 रैंकिंग में साल के सबसे बड़े फायदे में रहने वालों में से है, क्योंकि वे पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि साल की शुरुआत आठवें स्थान पर की थी ! स्पेन की यह बढ़त ऑस्ट्रेलिया (2758), जर्मनी (2734) और इंग्लैंड (2510) की कीमत पर हुई है, जो सभी एक-एक स्थान नीचे गिर गए हैं, और साल का अंत छठे, सातवें और आठवें स्थान पर किया है। न्यूजीलैंड (2319) जिसने 2025 में महिलाओं का एफआईएच हॉकी नेशंस कप और ओसनिया कप जीता था, वह भारत (2315) से ऊपर नौवें स्थान पर पहुंच गया है, जिसे 2025 में प्रो लीग से बाहर होना पड़ा था।

जापान (2186) और संयुक्त राज्य अमेरिका (2172) दो स्थान ऊपर चढ़कर ग्यारहवें और बारहवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि आयरलैंड (2030) और चिली (1999) तेरहवें और पंद्रहवें स्थान पर आ गए हैं, स्कॉटलैंड (2015) चौदहवें स्थान पर है। कोरिया (1864) सोलहवें स्थान पर बना हुआ है, उसके बाद फ्रांस (1742) है जिसकी एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2 में जीत ने उसे तीन स्थान ऊपर चढ़ने में मदद की। इटली (1737), उरुग्वे (1736) और दक्षिण अफ्रीका (1670) टॉप-20 में शामिल हैं, जबकि कनाडा (1668) और मलेशिया (1667) बस थोड़ा ही पीछे हैं !

पुरुषों की रैंकिंग में नीदरलैंड (3376) और बेल्जियम (3225) टॉप दो स्थानों पर बने हुए हैं, लेकिन साल की शुरुआत की तुलना में नीचे काफी बदलाव हुए हैं ! जर्मनी (3116) एक सफल यूरोहॉकी अभियान के बाद एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर आ गया है, उसके बाद अर्जेंटीना (3022) है जो साल की शुरुआत में आठवें स्थान पर रहने के बाद चौथे स्थान पर आ गया है ! ऑस्ट्रेलिया (3007) और स्पेन (2995) पांचवें और छठे स्थान पर एक-एक स्थान ऊपर चढ़े हैं, उसके बाद इंग्लैंड (2864) और भारत (2845) हैं जिन्हें सबसे बड़ा नुकसान हुआ है, जो साल की शुरुआत में क्रमशः तीसरे और पांचवें स्थान पर थे।

फ्रांस (2371) नौवें स्थान पर बना हुआ है, जबकि न्यूजीलैंड (2254) और आयरलैंड (2246) ने साल की शुरुआत से एक-दूसरे के साथ जगह बदली है। दक्षिण अफ्रीका (2127) और मलेशिया (2097) बारहवें और तेरहवें स्थान पर स्थिर हैं। एफआईएच हॉकी प्रो लीग में प्रमोशन के बाद, पाकिस्तान (2034) चौदहवें स्थान पर एक स्थान ऊपर चढ़ गया है, उसके बाद

वेल्स (1989) और कोरिया (1981) हैं। मिस्र (1956) जिसने एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2 में शानदार डेब्यू किया था, इस साल सबसे ज्यादा ऊपर चढ़ने वाली टीमों में से एक है, जो सत्रहवें स्थान पर है।

जापान (1982), कनाडा (1863) और स्कॉटलैंड (1843) टॉप-20 में शामिल हैं, जबकि ऑस्ट्रिया (1805), चिली (1727), चीन (1723), पोलैंड (1694) और संयुक्त राज्य अमेरिका (1690) अगले पांच स्थानों पर हैं। एफआईएच ने 1 जनवरी 2020 को जो रैंकिंग कैलकुलेशन मॉडल पेश किया, वह पिछले टूर्नामेंट-आधारित रैंकिंग सिस्टम से हटकर एक डायनामिक, मैच-आधारित तरीके पर आ गया है, जहाँ विरोधी टीमें ऑफिशियल,एफआईएच द्वारा मंजूर किए गए गेम्स में पॉइंट्स का आदान-प्रदान करती हैं। एक्सचेंज किए जाने वाले पॉइंट्स की संख्या मैच के नतीजे, टीमों की रिलेटिव रैंकिंग और मैच के महत्व पर निर्भर करती है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम को विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय मैच के आयोजन की अनुमति नहीं मिली

बेंगलुरु। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 24 दिसंबर को दिल्ली और आंध्र प्रदेश के बीच विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय मैच के आयोजन की अनुमति नहीं मिली है।पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह ने कह है कि आयोजकों ने मैच आयोजित करने की अनुमति मांगी थी पर उसे स्वीकार नहीं किया गया है।वहीं इससे पहले राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने स्टेडियम में क्रिकेट मैचों के आयोजन की अनुमति देने पर विचार करने के लिए एक समिति का गठन किया था।समिति ने सोमवार को स्टेडियम का दौरा किया था और इसके बाद मैच की अनुमति नहीं दिये जाने की सलाह दी । पुलिस आयुक्त ने कहा, 'समिति ने कल स्टेडियम का दौरा किया था और उसकी सिफारिश पर मैच खेलने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया गया।इसलिए वहां कोई मैच नहीं होगा।

60 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति-बिजनेसमैन राज कुंद्रा इन दिनों कानूनी विवादों में है। दरअसल, उनका नाम 60 करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी और ठगी केस से जुड़ा है। उन्होंने खुद पर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया। अब शिल्पा शेट्टी ने भी इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में उनका नाम गलत तरीके से लिया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित कंपनी में उनकी भूमिका सीमित और गैर-ऑपरेशनल थी।

शिल्पा शेट्टी की टीम की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया है, इस मामले से मेरा नाम जोड़ने की बेबुनियाद कोशिश से मुझे बहुत दुख हुआ है। कंपनी के साथ मेरा जुड़ाव पूरी तरह से नॉन-एग्जीक्यूटिव था, जिसमें ऑपरेशंस, फाइनेंस, फैसले लेने या किसी भी साइनिंग अथॉरिटी में मेरी कोई भूमिका नहीं थी। असल में, कई दूसरी जानी-मानी हस्तियों की तरह मैंने भी होम शॉपिंग चैनल के लिए कुछ प्रोडक्ट्स को प्रोफेशनल तौर पर एंडोर्स किया था, जिसके लिए मुझे मिलने वाला पेमेंट अभी भी बकाया है। जारी बयान में कहा गया है कि कंपनी के रोजाना के कामकाज, फाइनेंस या फैसले लेने में उनकी (शिल्पा शेट्टी) कोई भूमिका नहीं थी।

कंपनी को करोड़ों का लोन देने की कही बात

शिल्पा शेट्टी ने आगे आरोप लगाया कि उनके परिवार ने कंपनी को एक बड़ी रकम लोन के तौर पर दी थी, जिसमें लगभग 20 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था और वह रकम अभी भी चुकाई नहीं गई है। एक्ट्रेस ने हा, मैं यह रिकॉर्ड पर लाना चाहती हूं कि हमारे परिवार ने कंपनी को लगभग 20 करोड़ रुपये का लोन दिया है और वह रकम अभी भी बकाया है। मुझ पर आपराधिक जिम्मेदारी डालने की यह कोशिश, खासकर लगभग नौ साल की बिना किसी वजह की देरी के बाद, कानूनी तौर पर गलत है और कानून के तय सिद्धांतों के खिलाफ है।

बोलीं- न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा है

एक्ट्रेस ने आगे कहा, इन तथ्यों के बावजूद, मेरा नाम बेवजह कार्यवाही में घसीटा जा रहा है, जो परेशान करने वाला और गलत है। ऐसे बेबुनियाद आरोप न केवल तथ्यों को गलत तरीके से पेश करते हैं, बल्कि सार्वजनिक तौर पर एक महिला की गरिमा, ईमानदारी और प्रतिष्ठा को भी गलत तरीके से नुकसान पहुंचाते हैं। बयान में आगे कहा गया, बॉम्बे हाई कोर्ट में पहले ही एक याचिका दायर की जा चुकी है, मुझे न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और मैं अपने अधिकारों और प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए उचित कानूनी उपाय करूंगी।

निधि अग्रवाल ने आठ साल में कीं आठ फिल्में, अब प्रभास संग करेंगी रोमांस

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री निधि अग्रवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ये वायरल वीडियो हैदराबाद में हुए प्रभास और निधि की फिल्म 'द राजा साब' के गाने के लॉन्च इवेंट के बाद का है। निधि इवेंट से निकलकर वापस जा रही थीं, तभी वहां मौजूद भीड़ उन पर इस तरह से टूट पड़ी कि एक्ट्रेस लोगों के बीच में फंस गईं। हालांकि, किसी भी तरह से सिक्योरिटी गार्ड्स ने निधि को उनकी कार तक पहुंचाया। इस वीडियो के सामने आने के बाद अब लोग भीड़ पर नाराजगी जता रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ की फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में रखा कदम

साल 2014 में मिस दीवा यूनिवर्स में हिस्सा लेने वाली निधि अग्रवाल ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2017 में की। निधि ने बॉलीवुड की फिल्म 'मुन्ना माइकल' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। टाइगर श्रॉफ स्टारर इस फिल्म के लिए निधि का चयन 300 कैंडिडेट के ऑडिशन के बाद हुआ था।

प्रभास के साथ द राजा साब में आएंगी नजर

निधि अग्रवाल अब फिल्म 'राजा साब' में नजर आएंगी। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को बड़े स्तर पर बनाया गया है। इस फिल्म में निधि अपने से 14 साल बड़े अभिनेता प्रभास के साथ रोमांस फरमाती नजर आएंगी। 'राजा साब' 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। पहले इस फिल्म को 5 दिसंबर को ही रिलीज होना था, लेकिन अब फिल्म अगले साल रिलीज होगी। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है। निधि अग्रवाल को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं।

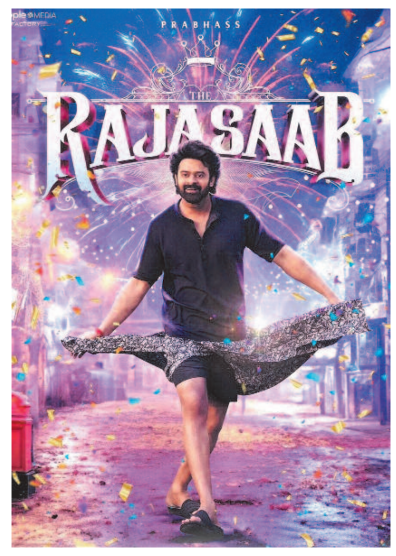

भीड़ में फंसने के बाद निधि अग्रवाल का वीडियो वायरल है। कई लोग इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और वहां मौजूद लोगों के रवैये पर सवाल उठा रहे हैं। तो वहीं सोशल मीडिया पर कई यूजर्स 'द राजा साब' के मेकर्स पर भी सवाल उठा रहे हैं और उनकी व्यवस्था की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस पूरे मामले पर निधि अग्रवाल, प्रभास या फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

2018 में तेलुगु और 2021 में तमिल सिनेमा में किया डेब्यू

बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद निधि ने साल 2018 में नागा चैतन्य के साथ फिल्म 'सब्यसाची' से तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत की। जबकि साल 2021 में उन्होंने तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत फिल्म 'ईस्वरन' से की। हिंदी फिल्म से अपनी शुरुआत करने वाली निधि अग्रवाल ने अब तक अपने करियर में तीन तेलुगु और दो तमिल फिल्मों में काम किया है। हालांकि, उनके खाते में 'आई स्मार्ट शंकर' को छोड़कर अब तक कोई बड़ी हिट फिल्म नहीं आई है। इस साल वो पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' में भी नजर आई थीं, लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

सात साल बाद फिर से साथ नजर आने वाले हैं कार्तिक और अनन्या

बॉलीवुड में जब कोई जोड़ी एक बार साथ काम कर चुकी होती है और फिर लंबे समय बाद स्क्रीन पर लौटती है, तो उनके बीच का रिश्ता और काम करने का अनुभव हमेशा चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसा ही कुछ कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के बीच देखने को मिल रहा है। दोनों फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में सात साल बाद फिर से साथ नजर आने वाले हैं। 2018 में दोनों ने पहली बार पति, पत्नी और वो में साथ काम किया था, और अब फिल्म की रिलीज से पहले दोनों की केमिस्ट्री को लेकर काफी बातें हो रही हैं।

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कार्तिक ने अनन्या के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को साझा किया। कार्तिक ने कहा, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे अनन्या के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने फिल्म में शानदार काम किया है और हर सीन में अपने अभिनय का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वह असल में बहुत मेहनती हैं और उनके काम को देखकर सभी को प्रेरणा मिलती है। कार्तिक ने अनन्या के करियर को लेकर कहा, जब अनन्या इंडस्ट्री में आई थीं, तब भी बेहद आत्मविश्वासी थीं और अब एक बेहतरीन अदाकारा बन चुकी हैं। उन्होंने न केवल अभिनय का हुनर दिखाया, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी खुद को आगे बढ़ाया है। मैंने अनन्या को एक बेहतर इंसान के रूप में बढ़ते हुए देखा है, और यह अनुभव मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। उन्होंने बताया कि अनन्या निर्देशक की सलाह को अच्छे से अपनाती हैं और हर सीन में एक नई ऊर्जा लाती हैं।

इमरान हाशमी ने शुरू की आवारापन 2 की शूटिंग

इमरान हाशमी को हाल ही में फिल्म आवारापन 2 की शूटिंग करते हुए पेट में चोट आई थी। खबरों के मुताबिक एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान एक्टर के साथ हादसा हुआ। चोट लगने के बाद उनका इलाज किया गया। अब इमरान हाशमी ने दोबारा फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इमरान हाशमी को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। उन्हें एक्शन मूवमेंट्स शूट करने की मनाही है। इमरान हाशमी पर फिल्माए जाने वाले एक्शन सीन चोट ठीक हो जाने के बाद फिल्माए जाएंगे। इससे पहले इमरान हाशमी उन सीन्स को शूट करेंगे जो आसान हैं। फिल्म आवारापन 2इमरान हाशमी की 2007 में आई फिल्म आवारापन का सीक्वल है। पिछली फिल्म में इमरान हाशमी के साथ श्रेया सरन थीं। इस फिल्म में दिशा पाटनी होंगी।

माधुरी दीक्षित ने अपने करियर, फिल्ममेकिंग में आए बदलाव और फिल्मों के चयन को लेकर बात की

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित चार दशकों से भी ज्यादा समय से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। उन्होंने न सिर्फ कई सुपरहिट फिल्में दीं, बल्कि बदलते दौर के साथ खुद को भी लगातार ढालती रहीं। इस बीच, उन्होंने अपने करियर के सफर, फिल्ममेकिंग में आए बदलाव और आज के समय में फिल्मों के चयन को लेकर बात की। उस दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा, तब फिल्म इंडस्ट्री आज जैसी व्यवस्थित नहीं थी। 80 और 90 के दशक में सिर्फ कुछ ही प्रोड्यूसर ऐसे थे, जो काम को बहुत प्रोफेशनल तरीके से करते थे। इनमें यश चोपड़ा, बी. आर. चोपड़ा, सुभाष घई और राजश्री प्रोडक्शन्स जैसे नाम शामिल थे। ज्यादातर फिल्में बिना ज्यादा प्लानिंग और सुविधाओं के बनती थीं। आज की तुलना में उस समय सब कुछ काफी अव्यवस्थित हुआ करता था।

माधुरी ने कहा, पहले फिल्मों में काम करते समय कलाकारों को बहुत ज्यादा तैयारी का मौका नहीं मिलता था। शूटिंग अक्सर अचानक शुरू हो जाती थी और कलाकारों को मौके पर ही सीन समझकर शूट करना पड़ता था। आज के समय में स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। अब कलाकारों को पहले से पूरी स्क्रिप्ट मिल जाती है, किरदार पर विस्तार से काम करने का समय मिलता है और शूटिंग से पहले अच्छी तैयारी की जाती है। इससे कलाकार अपने रोल को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं। उन्होंने कहा, पहले शूटिंग के दौरान कलाकारों की सुविधाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। इसके मुकाबले आज फिल्म सेट पर हर सुविधा उपलब्ध होती है। माधुरी ने कहा, आज फिल्मों में किरदारों पर बहुत ज्यादा मेहनत की जाती है। अब यह पहले से तय होता है कि कलाकार क्या पहनेंगे, उनका लुक कैसा होगा, और वे किस तरह से स्क्रीन पर नजर आएंगे। शूटिंग से पहले रीडिंग सेशन और रिहर्सल भी होती है, जो पहले के समय में नहीं हुआ करती थी। इन सब बदलावों से फिल्ममेकिंग का स्तर काफी ऊपर चला गया है।

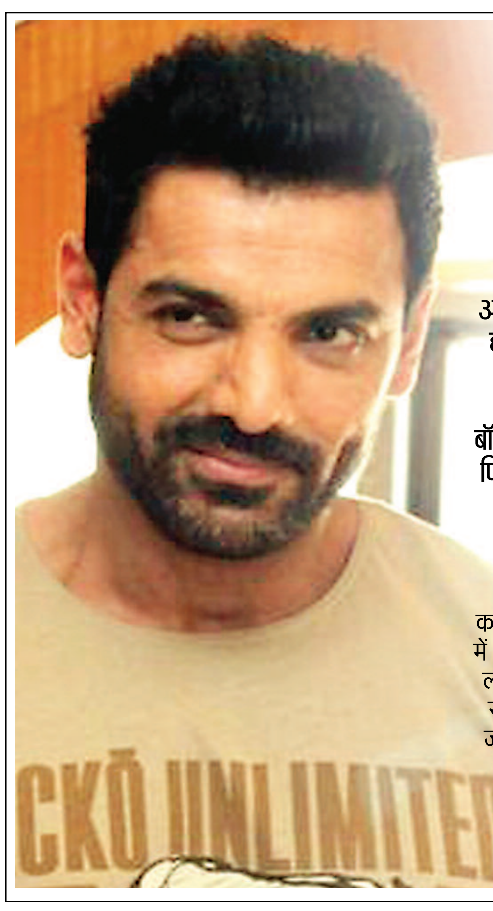

सख्त पुलिसवाले से लेकर खूंखार गैंगस्टर तक पर्दे पर इन किरदारों से जॉन अब्राहम ने मचाई 'धूम'

मॉडलिंग से अपना करियर शुरू करने वाले जॉन अब्राहम की गिनती इंडस्ट्री के प्रमुख अभिनेताओं में होती है। दो दशक से भी लंबे अपने एक्टिंग करियर में जॉन कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। एक्टिंग के अलावा जॉन अब्राहम अपने लुक और बॉडी को लेकर भी अक्सर चर्चाओं में रहते हैं। अपनी फिल्मों के अलावा उन्होंने कई अन्य सफल फिल्मों का भी निर्माण किया है।

कबीर (धूम)

साल 2004 में आई फिल्म 'धूम' में जॉन अब्राहम ने कबीर नाम के एक चोर की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम का लुक और बाइक चलाने का उनका स्वैग लोगों को काफी पसंद आया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इस फिल्म को एक ट्रेंड सेटर फिल्म माना जाता है, जिसने बड़े वालों वाले लुक और बाइक के प्रति लोगों की दीवानगी में इजाफा किया था।

श्याम या सैम (गरम मसाला)

चोर बनकर लोगों का दिल चुराने के बाद जॉन अब्राहम साल 2005 में आई कॉमेडी फिल्म 'गरम मसाला' में श्याम उर्फ सैम के किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म में जॉन अब्राहम अक्षय कुमार के साथ प्रमुख भूमिका में थे। फिल्म में दोनों दोस्त बने हैं। फिल्म में जॉन की कॉमिक टाइमिंग ने सभी को हैरान किया था।

के (नो स्मोकिंग)

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म 'नो स्मोकिंग' भले ही बॉक्स ऑफिस पर सफल न रही हो, लेकिन फिल्म को क्रिटिक्स से काफी सराहना मिली थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने के नाम के एक चेन स्मोकर की भूमिका निभाई थी। इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर में जॉन अब्राहम के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी।

सनी भसीन (गोल)

2007 में आई फिल्म 'गोल' एक स्पोर्ट ड्रामा है, जो फुटबॉल पर आधारित है। फिल्म में क्लब फुटबॉल से लेकर नेशनल लेवल तक के फुटबॉल खेल को दिखाया गया है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने सनी भसीन नाम का किरदार निभाया है, जो एक अच्छा फुटबॉल प्लेयर होता है। जॉन अब्राहम असल जिंदगी में भी काफी अच्छी फुटबॉल खेल लेते हैं।

कुणाल चौहान (दोस्ताना)

फिल्म 'दोस्ताना' दो दोस्तों की कहानी है। फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ अभिषेक बच्चन और प्रियंका चोपड़ा प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में सैम (अभिषेक बच्चन) और कुणाल (जॉन अब्राहम) रेंट पर घर लेने के लिए समलैंगिक कपल होने का नाटक करते हैं। इसके बाद लोग उन्हें असल में भी समलैंगिक समझने लगते हैं। फिल्म में जॉन अब्राहम की बॉडी और लुक्स की काफी चर्चा हुई थी। यह फिल्म उनके करियर की अहम फिल्मों में शामिल है।

मान्या सुर्वे (शूटआउट एट वडाला)

संजय गुप्ता द्वारा निर्देशित फिल्म 'शूटआउट एट वडाला' में जॉन अब्राहम ने मान्या सुर्वे का किरदार निभाया है। मान्या 1970-80 के दशक में मुंबई का एक शिक्षित और खूखांर गैंगस्टर रहा है। इस गैंगस्टर के किरदार में जॉन अब्राहम काफी जंचे थे और उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ भी हुई थी।

समीर शेख (न्यूयॉर्क)

कबीर खान की फिल्म 'न्यूयॉर्क' जो 9/11 हमलों के बाद न्यूयॉर्क में रहने वाले तीन दोस्तों (जॉन अब्राहम, कटरीना कैफ और नील नितिन मुकेश) की कहानी है। फिल्म में जॉन ने समीर शेख उर्फ सैम की भूमिका निभाई है, जो आतंकवाद का गलत आरोप लगने के बाद आतंकी गतिविधियों में शामिल हो जाता है।

विक्रम सिंह (मद्रास कैफे)

साल 2013 में आई फिल्म 'मद्रास कैफे' सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्म है। शूजित सरकार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने भारतीय खुफिया जासूस विक्रम सिंह की भूमिका निभाई है। 1980 और 1990 के दशक की शुरुआत में श्रीलंका के गृहयुद्ध और भारतीय हस्तक्षेप से प्रेरित इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या और उसकी जांच को दिखाया गया है।

एसीपी संजय कुमार (बाटला हाउस)

2018 में दिल्ली के बाटला हाउस में हुए एनकाउंटर पर आधारित फिल्म 'बाटला हाउस' में जॉन अब्राहम ने एसीपी संजय कुमार की भूमिका निभाई है। असल पुलिस वाले के किरदार में जॉन अब्राहम काफी जंचे हैं।

जिम (पठान)

यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'पठान' में जॉन अब्राहम ने विलेन की भूमिका निभाई है। फिल्म में जॉन ने जिम नाम के पूर्व रॉ एजेंट और आउटफिट एक्स नाम के आतंकी संगठन के सरगना का किरदार निभाया है। शाहरुख खान स्टारर इस फिल्म में जॉन एक खूंखार, शक्तिशाली और दहशत फैलाने वाले विलेन के किरदार में नजर आए हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।